सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
मंगलवार, 09 जुलाई, 2024

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 21 अंक 302 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राजस्थान : भजनलाल के खिलाफ बगावत है किरोड़ी लाल का इस्तीफा?

विजय विद्रोही

राजस्थान में छह महीने की भजनलाल सरकार को तगड़ा झटका लगा है। विधानसभा का बजट सत्र शुरू होते ही वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और मीणा जाति के कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। इसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कार्यशैली के खिलाफ बगावत भी कहा जा रहा है। हालाँकि बाबा किरोड़ी लाल का इस्तीफा मुख्यमंत्री ने मंजूर नहीं किया है, लेकिन बाबा के नजदीकी सूत्रों ने कहा है कि अब चाहे जितनी भी मान मनौव्वल की कोशिश हो मीणा मानने वाले नहीं हैं। पिछले दिनों वह दो दिन दिल्ली में थे। लेकिन पता चला है कि महामंत्री स्तर के नेता भी मुलाकात का समय नहीं दे पाए। इससे भी वह खिन्न थे। तो दिल्ली में बात बनी नहीं और जयपुर आते ही बाबा ने खुद ही एक टीवी चैनल से कह दिया कि उन्होंने सात दिन पहले ही इस्तीफा दे दिया था, लिहाजा वह भजनलाल मंत्रिमंडल की बैठक में शरीक नहीं हुए।

बड़ा सवाल उठता है कि जब सात दिन पहले इस्तीफा दे दिया गया था तो विधानसभा सत्र के चलते इसे मीडिया के सामने खुद ही क्यों लाया गया। अगर इस्तीफे के पीछे भजनलाल से नाराजगी नहीं है तो विधानसभा सत्र के बीच में इस्तीफा दे कर मुख्यमंत्री के लिए सियासी सिरदर्द क्यों पैदा किया गया? कांग्रेस वैसे ही राज्य की बीजेपी सरकार पर हमलावर हो रही है। लगातार दो बार सभी पच्चीस लोकसभा सीटें जीतने वाली बीजेपी इस बार ग्यारह सीटें हारी है और कांग्रेस इसे मुद्दा बना रही है।

सवाल उठता है कि जब पांच सीटों पर विधानसभा के उप चुनाव अगले दो तीन महीनों में होने की संभावना है तो बाबा का इस्तीफा क्या बीजेपी आलाकमान को मुश्किल में डालने वाला नहीं है? बीजेपी के लिए सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि डॉ. मीणा घर बैठने वाले नेताओं में से नहीं हैं। अब जब मंत्री पद का प्रोटोकॉल भी नहीं है तो धरना-प्रदर्शन करने के लिए आज़ाद हैं, जैसा कि वह अशोक गहलोत सरकार के समय किया करते थे। जयपुर में पुराने सरकारी मकान तोड़ कर बहुमंजिला मकान बनाने से जुड़े एक मामले में डेढ़ हजार करोड़ का घोटाला होने का आरोप लगाते हुए वह अपने ही मुख्यमंत्री से जांच की मांग कर चुके हैं। इसी तरह एक दो अन्य योजनाओं में गड़बड़ी की शिकायत वह प्रधानमंत्री मोदी से भी कर चुके हैं।

किरोड़ी लाल मीणा के नजदीकी सूत्रों का कहना है कि वह दौसा लोकसभा सीट में उम्मीदवार के चयन से लेकर कार्यकर्ताओं की खिन्नता से दुखी थे। इसके अलावा उन्हें कम महत्व का मंत्रालय मिलने का भी मलाल था। खासतौर से यह देखते हुए कि उनसे जूनियर विधायकों को मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री तक बनाया गया और कुछ अन्य जूनियर विधायकों को ज़्यादा बड़े मंत्रालय दिये गये। गौरतलब है कि जब उन्हें कृषि मंत्रालय दिया गया था तब भी उन्होंने तंज कसा था कि बीस साल पहले पहली बार मंत्री बनने पर भी कृषि और बीस साल बाद भी वही कृषि मंत्रालय। इस पर तुर्रा यह कि उनके मंत्रालय से कृषि विपणन विभाग और पंचायती राज विभाग को काट दिया गया यानी वरिष्ठ मीणा नेता के सियासी पर कतरे गये। कहा जाता है कि हाल ही में उन्होंने पंचायती राज विभाग से जुड़े कुछ इंजीनियरों का तबादला कर दिया था, लेकिन विभाग के सचिव स्तर के एक अधिकारी ने नया पदभार ग्रहण करने पर रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों के दौरान मीणा ने मोदी से पूर्वी राजस्थान और मीणा बहुल कुल सात सीटों पर जीत का वादा किया था और एक भी सीट हारने पर इस्तीफा देने की बात कही थी। दौसा, टोंक सवाई माधोपुर, भरतपुर और करौली-धौलपुर यानी चार सीटें बीजेपी हार गयी। कोटा, जयपुर ग्रामीण और भीलवाड़ा सीट ही बीजेपी जीत सकी।

हैरानी की बात है कि नतीजों के बाद खुद ही मीणा ने मोदी से हुए वायदे का खुलासा भी किया और इस्तीफा देने की बात भी कही थी। पहले इसे गंभीरता से नहीं लिया गया। तब कहा गया कि दौसा से वह अपने भाई जगमोहन मीणा का टिकट चाहते थे लेकिन आला कमान नहीं माना। दौसा से बीजेपी उम्मीदवार कन्हैया लाल मीणा के लिए वोट मांगने वह निकले तो उनके मीणा समर्थक नहीं माने। नतीजतन सवा दो लाख के भारी अंतर से बीजेपी दौसा में हार गयी। यही हाल टोंक सवाई माधोपुर सीट का रहा जहां से कांग्रेस के हरीश मीणा चुनाव जीते जबकि यहीं से किरोड़ी लाल मीणा विधानसभा का चुनाव जीते थे।

हैरानी की बात है कि डॉ. मीणा पर वादा नहीं निभाने पर इस्तीफा देने के लिए किसी बीजेपी नेता ने नहीं कहा। न ही आलाकमान ने ही ऐसे कोई संकेत दिये। न ही मोदी ने भी किसी तरह की नाराजगी जाहिर की। लेकिन फिर भी मीणा 'प्राण जाई पर वचन न जाई' की चौपाई गुनगुनाते रहे। इस्तीफे की खबर सार्वजनिक करने के बाद भी ऐसा ही ट्वीट किया गया और उसके बाद मीणा शंकराचार्य के चरणों में बैठे दिखाई दिए। चेहरे पर परम संतोष के भाव थे मानो बोझ उतर गया हो। लेकिन इस्तीफे से भजनलाल सरकार का बोझ बढ़ गया है। दौसा और टोंक सवाई माधोपुर में अब विधानसभा का उपचुनाव होना है। क्या फिर डॉ. मीणा कोई नया वायदा कर बीजेपी के लिए चुनाव प्रचार में उतरेंगे या सियासत कोई नया रंग दिखाएगी। देखना दिसचस्प रहेगा।

ऐसा इसलिए क्योंकि 2008 में मीणा बीजेपी छोड़ कर कांग्रेस का साथ देने लगे थे। अशोक गहलोत सरकार में एक बार वह खुद और एक बार उनकी पत्नी गोलमा देवी मंत्री भी बनी। तब वसुंधरा राजे से नाराज होकर बीजेपी छोड़ी थी। इस समय वसुंधरा भी बीजेपी आला कमान से नाराज है। उधर लोग कह रहे हैं कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है। हालांकि मेरी डॉ. मीणा के बेहद नजदीक सूत्र से बात हुई तो उनका कहना था कि फिलहाल वसुंधरा से मुलाकात का कोई इरादा नहीं है। इस इस्तीफे को एक भावुक नेता के दिल से लिए फैसले से जोड़ कर देखा जाना चाहिए। क्या सूत्र की हर बात पर विश्वास किया जाना चाहिए। आने वाला समय बताएगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुप्रभात

बहुत देर तक ठहाके लगाकर
लौटता हूँ अपने कमरे में
और पाता हूँ
मैं जहाँ ठहाके लगा रहा था
वहाँ सामने कोई नहीं था
मेरे आसपास की दुनिया
खोई है अपनी परिधि में संतुष्ट
लोग वर्ज़िश में हैं या ताक़त का
इस्तेमाल कर रहे हैं
हर दूसरा आदमी एक थूकदान है
पहले के लिए
जिसमें घृणा उगलकर वह अपने
गले की ख़राश मिटाना चाहता है
कोई ठौर नहीं जहाँ
अपनी बेचैनी का फन कुचल दूँ
या प्यार की धार बहा दूँ
गुज़री हर राह बंद हो जाती है
जादुई महल के दरवाज़ों की तरह
जबकि मैं लौटना चाहता हूँ
सिंहद्वार के बाहर की दुनिया में
जिसका अब कहीं नामो निशाँ भी नहीं है।

- चंद्रशेखर साकल्ले

पुरी की रथयात्रा का दूसरा दिन,भारी भीड़

भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंचे

रात में रथों पर ही रहे भगवान; आज मंदिर में प्रवेश करेंगे

पुरी (ओडिशा) (एजेंसी)। 53 साल बाद पुरी की रथयात्रा दो दिनों की रही। सोमवार को यात्रा का दूसरा दिन था। भगवान बलभद्र, सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ गुंडिचा मंदिर पहुंच चुके हैं। अब रथों पर ही भगवान की पूजा आरती होगी। इसके बाद राजभोग लगेगा। 9 जुलाई को भगवान मंदिर में प्रवेश करेंगे। अगले 7 दिनों तक तीनों रथ यहीं रहेंगे। 11 जुलाई को हेरापंचमी मनेगी। मान्यता है कि इस दिन लक्ष्मी जी भगवान से मिलने आती हैं। 15 जुलाई, सोमवार को तीनों भगवान अपने रथों में बैठकर मंदिर को लौटेंगे। भगवान के मंदिर लौटने वाली यात्रा को बहुड़ा यात्रा कहा जाता है। कल (7 जुलाई) यात्रा का पहला दिन था। शाम 5 बजे के बाद शुरू हुई रथयात्रा सूर्यास्त के ही साथ रोक दी गई थी, भगवान जगन्नाथ का रथ सिर्फ 5 मीटर ही आगे बढ़ा था।

इस साल रथ यात्रा दो दिन क्यों?

जगन्नाथ मंदिर के पंचांगकर्ता डॉ. ज्योति प्रसाद के मुताबिक, हर साल जगन्नाथ रथयात्रा एक दिन की होती है, लेकिन इस बार दो दिन की है। इससे पहले 1971 में यह यात्रा दो दिन की थी। तिथियां घटने की वजह से ऐसा हुआ। दरअसल, हर साल ज्येष्ठ महीने की पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ को स्नान करवाया जाता है। इसके बाद वे बीमार हो जाते हैं और आषाढ़ कृष्ण पक्ष के 15 दिनों तक बीमार रहते हैं, इस दौरान वे दर्शन नहीं देते। 16वें दिन भगवान का श्रृंगार किया जाता है और नवयौवन के दर्शन होते हैं। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से रथयात्रा शुरू होती है।

रथयात्रा में 2 की मौत, 130 से ज्यादा घायल

रथयात्रा में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई है। भगदड़ की वजह से करीब 130 लोग घायल हुए हैं। उनकी मौत पर दुख व्यक्त करते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मृतक के परिजन के लिए 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

नीट पेपर लीक वाले सेंटर्स की जानकारी दें

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-

- जिन स्टूडेंट्स को फायदा हुआ, उनके बारे में भी 10 जुलाई तक बताएं; 11 को अगली सुनवाई
- सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, 'ये साफ है कि पेपर लीक हुआ है'

जस्टिस जे बी पारदीवाला | चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ | जस्टिस मनोज मिश्रा

नईदिल्ली (एजेंसी)। मेडिकल एंट्रेस परीक्षा नीट - 2024 विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार, 8 जुलाई को लगभग 2 घंटे 20 मिनट तक सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एनटीए,सीबीआई केन्द्र सरकार और याचिकाकर्ताओं को अलग-अलग निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई अब 11 जुलाई को होनी है।

38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रहा है सुप्रीम कोर्ट

अदालत 38 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई कर रही थी। इनमें से 34 याचिकाएं स्टूडेंट्स, टीचर्स और कोचिंग इंस्टीट्यूट्स ने, जबकि 4 याचिकाएं नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने लगाई थी।

5 मई को हुई थी नीट , 24 लाख छात्र बैठे थे– इस साल 5 मई को नीट परीक्षा हुई थी। 571 शहरों के 4,750 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 24 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए थे। लेकिन यह परीक्षा एग्जाम के पहले ही विवादों में आ गई थी। पेपर लीक और 1563 स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क देने के बाद कई छात्रों ने धांधली और गड़बड़ी का आरोप लगाया था। इसे लेकर कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। विपक्षी दलों ने संसद में यह मुद्दा उठाया।

रीएग्जाम के लिए गुरुवार तक दर्ज हो सब्मिशन– सीजेआई ने कहा, रीएग्जाम की मांग कर रहे सभी याचिकाकर्ताओं के वकील गुरूवार तक एक कॉमन सेट कोर्ट में सब्मिट करें। ये 10 पेज से बड़ा नहीं होना चाहिए।

नेचर ऑफ लीक

- वे स्थान जहां लीक हुआ
- लीक की घटना और परीक्षा के आयोजन के बीच का समय अंतराल
- सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और एनटीए से रिपोर्ट मांगी
- सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि एजेंसी नीट यूजी पेपर लीक मामले में अब तक हुई जांच की एक रिपोर्ट कोर्ट के सामने पेश करे।

म.प्र. के चंबल-निमाड़ में भारी बारिश का अलर्ट, ग्वालियर में नदी में बही महिला

भोपाल में तेज बारिश, शिवपुरी में घरों में घुसा पानी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर-चंबल में आज लगातार चौथे दिन भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल में सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। शिवपुरी के चितौरा गांव में बारिश का पानी घरों में घुस गया। ग्रामीणों ने कहा, 'यहां पर सड़क तो बनाई गई लेकिन नाली नहीं बनाई गई। जब भी तेज बारिश होती है, घरों में पानी भर जाता है।'

भिंड के मेहगांव क्षेत्र में बैसली नदी तीन दिन से उफान पर है। इसका पानी गाता, गुदावली, गातौर गांवों की सीमा पर पहुंच गया है। सीहोर जिले के आष्टा और इछावर में तेज बारिश के बाद सड़कों और दुकानों में पानी घुस गया। ग्वालियर में बैसली (बैशाली) नदी के बहाव में महिला बह गई। एक किलोमीटर दूर उसका शव मिला।

खजुराहो में दो दिन बाद तेज बारिश, उमस से मिली राहत– छतरपुर जिले के खजुराहो में दो दिन से उमस और गर्मी का मौसम रहा। सोमवार दोपहर के बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे लोगों को उमस से राहत मिली।

- **उज्जैन में एक घंटे बारिश, कई इलाकों में जल जमाव**– उज्जैन में सोमवार दोपहर को एक घंटे तेज बारिश हुई। इसके चलते एटलस चौराहा, नीलगंगा और बहादुरगंज समेत अन्य क्षेत्रों में जल जमाव हो गया। वाहन चालकों को इससे परेशानी का सामना करना पड़ा।
- **विदिशा में तेज बारिश, कई इलाकों में पानी भराया**– विदिशा में दोपहर करीब 12 बजे तेज बारिश हुई। इसके बाद आसमान साफ हो गया और तेज धूप निकलने लगीं थी। तीन बजे के बाद आसमान में बादल छाए और मूसलधार बारिश होने लगी। सड़कें तालाब में तब्दील हो गई। कई इलाकों में जलभराव हो गया। लोगों के घरों और मकानों में पानी भर जाने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।
- **ग्वालियर में महिला नदी में बही, 1 किमी दूर मिला शव**– ग्वालियर में बैसली (बैशाली) नदी के बहाव में महिला बह गई। हस्तिनापुर इलाके के सिरसौद गांव की बबीता शर्मा (42) सोमवार सुबह नदी पार कर मंदिर जा रहीं थी। 2 घंटे बाद उनका शव 1 किलोमीटर दूर स्टॉप डैम के पास मिला।

राज्यपाल श्री पटेल ने नव नियुक्त मंत्री श्री रामनिवास रावत को शपथ दिलाई

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सोमवार को राजभवन में मध्यप्रदेश शासन के मंत्री के रूप में श्री रामनिवास रावत को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, श्री राजेन्द्र शुक्ल, पंचायत और ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, सांसद श्री वी.डी. शर्मा और महापौर भोपाल श्रीमती मालती राय भी उपस्थित थीं। शपथ विधि समारोह का संचालन मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा ने किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री संजय शुक्ल सहित अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री की शपथ लेनी थी, राज्यमंत्री की ले ली, रावत को दो बार शपथ दिलाई गई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट का सोमवार को विस्तार हुआ। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए विधायक रामनिवास रावत को राजभवन में कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेनी थी। उन्होंने सुबह करीब 9.03 बजे बतौर राज्यमंत्री शपथ ले ली। गलती का अहसास हुआ तो उनको करीब 9.18 बजे फिर कैबिनेट मंत्री की शपथ दिलाई गई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 38.5 °c

न्यूनतम 33°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 09 जुलाई 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

रूस पहुंचे पीएम मोदी का भव्य स्वागत

दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर, उप प्रधानमंत्री ने किया रिसीव

मास्को (एजेंसी)। रूस पहुंचते ही पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मॉस्को में उतरा। हमारे देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की उम्मीद है, खासकर सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों में। हमारे

देशों के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के मॉस्को पहुंचने पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जून में लोकसभा चुनाव के बाद शपथ लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह पहली आधिकारिक रूस यात्रा है। 2019 में देश की अपनी पिछली यात्रा के दौरान, मोदी ने रूसी शहर व्लादिवोस्तोक में पूर्वी आर्थिक मंच (ईईएफ) में भाग लिया था।

मुंबई हिट एंड रन केस, शिवसेना नेता को जमानत

मुंबई। मुंबई हिट एंड रन का आरोपी शिवसेना नेता राजेश शाह का बेटा मिहिर शाह फरार है। वर्ली पुलिस ने इस मामले में राजेश शाह और ड्राइवर राजेंद्र सिंह बिदावत को गिरफ्तार कर किया था। दोनों को सोमवार (8 जुलाई) की दोपहर सेवरी कोर्ट में पेश किया गया था।

कोर्ट ने सुनवाई के बाद राजेश को शाह को ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा था और ड्राइवर राजेंद्र को एक दिन की पुलिस रिमांड में भेजा था। राजेश शाह ने कोर्ट में जमानत की याचिका दाखिल की, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उसे 15 हजार रुपए के बेल बॉन्ड पर जमानत दे दी।

दरअसल, मुंबई में 7 जुलाई को शिवसेना नेता राजेश के बेटे मिहिर शाह ने कथित तौर पर नशे में बीएमडब्लयू कार से बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी थी। इसमें महिला की मौत हो गई थी। महिला अपने पति के साथ पीछे बैठी थी। घटना के बाद से मिहिर फरार चल रहा है। आज मिहिर के पब से निकलने का वीडियो भी सामने आया।

सीसीटीवी में मिहिर अपने दोस्तों के साथ मुंबई के एक पब से निकलते हुआ नजर आ रहा है। पब से निकलते समय उन लोगों को मर्सिडीज में जाते देखा गया।

तीन नए कानून पर तमिलनाडु में बवाल

सीएम ने बनाई समिति; विरोध में उतरे हजारों वकील

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक जुलाई से देशभर में लागू तीन नए कानूनों के खिलाफ तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन के बाद अब राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति एम सत्यनारायण समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति इन कानूनों में राज्य स्तर पर किए जाने वाले संशोधनों का अध्ययन करेगी और प्रदेश सरकार को अपनी सिफारिश भेजेगी। समिति अधिवक्ता संघों और अन्य हितधारकों से बातचीत करने के बाद एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए

सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा; बंकर बनाए, इलाके में बख्तरबंद गाड़ियां भी मौजूद

नईदिल्ली (एजेंसी)। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। एस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की हैं। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं।

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। ये एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है।

2020 में भारतीय सैनिकों से झड़प के बाद चीन ने बनाए बंकर- 5 मई 2020 को चीनी सैनिक और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त ये पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाईं।

ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया की इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो।

सरकार की तरफ से कोई जवाब नहीं आया

ये बेस गलवान घाटी से 120 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है, जहां जून 2020 को भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान 20 भारतीय सैनिकों की जान चली गई थी। अब तक भारत सरकार की तरफ से कोई भी जवाब नहीं आया है। एक पूर्व भारतीय सेना के अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि आज के समय में उपग्रहों या हवाई निगरानी प्लेटफार्मों का उपयोग करके सब कुछ सटीक रूप से पता लगाया जा सकता है। बेहतर सुरक्षा व्यवस्था बनाने के लिए सुरंग बनाना ही एकमात्र उपाय है।

इससे पहले तिब्बत के पास तैनात किए थे लड़ाकू विमान- इस साल मई में चीन ने उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम के समीप तिब्बत में शिगात्से एयरबेस पर अत्याधुनिक जे20 स्टेल्थ लड़ाकू विमानों को तैनात किया था।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में घुसी रोडवेज बस

पति-पत्नी व बेटे की मौत

शाहपुरा (जयपुर) (एजेंसी)। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर ट्रक में रोडवेज बस जा घुसी। बस में सवार पति-पत्नी व बेटे की मौत हो गई, जबकि 20 सवारियां घायल हैं। इनमें से 11 लोगों की हालत गंभीर है। एक यात्री (मृतक) का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा सोमवार सुबह करीब 4 बजे जयपुर के शाहपुरा में अलवर कट के पास हुआ।

कठुआ में सेना के वाहन पर ग्रेनेड से आतंकी हमला, 4 जवान शहीद, 6 घायल

दो महीने में सेना के वाहन पर दूसरा अटैक

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार (8 जुलाई) को आतंकियों के हमले में 4 जवान शहीद हो गए। 6 घायल हैं। घटना लोहि मल्हार ब्लॉक के मचहेड़ी क्षेत्र के बडनोटा गांव की है।

पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम मचहेड़ी क्षेत्र में दोपहर 3.30 बजे तलाशी ले रही थी, तभी आतंकियों ने घात लगाकर ग्रेनेड से हमला किया। फायरिंग भी की। इसके बाद सेना ने पूरे इलाके को घेर लिया है। आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ जारी है।

सेना के अफसर ने बताया,इस हमले में 10 जवान घायल हुए थे। इनमें से चार की जान चली गई। 6 का अभी इलाज चल रहा है। पहले 2 और कुछ समय बाद 4 जवानों के घायल होने की खबर आई थी।

यह 2 महीने में सेना के वाहन पर दूसरा आतंकी हमला है। इससे पहले 4 मई को पुंछ के शाहसितार इलाके में एयरफोर्स के काफिले पर हमला हुआ था, जिसमें कॉर्पोरल विक्की पहाड़े शहीद हो गए थे और 4 अन्य जवान घायल हो गए थे। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। वहीं, दो दिन में यह सेना पर दूसरा हमला है। रविवार (7 जुलाई) की सुबह आतंकियों ने राजौरी जिले के मंजाकोट इलाके में एक आर्मी कैंप पर हमला किया था। इसमें एक जवान घायल हो गया। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद आतंकी घने जंगल के रास्ते भाग गए। सेना और पुलिस सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं।

आतंकियों ने जो गोलियां चलाईं, उनके निशान ट्रक के सामने लगे ग्लास पर देखे जा सकते हैं। आतंकियों ने जो गोलियां चलाईं, उनके निशान ट्रक के सामने लगे ग्लास पर देखे जा सकते हैं।

सेना के वाहनों पर हुए पिछले हमले...

इसी साल जनवरी में भी पुंछ में हमला हुआ था- जम्मू-कश्मीर के पुंछ में इसी साल 12 जनवरी को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला किया था। इसके बाद जवानों को जवाबी फायरिंग करनी पड़ी। इसमें किसी के भी घायल या मौत की खबर नहीं आई थी।

सुरनकोट में पिछले साल दिसंबर में भी हमला हुआ था- सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। वारदात को 4 आतंकियों ने अंजाम दिया था। आतंकियों ने अमेरिकी एम-4 कार्बाइन असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थीं। ये स्टील बुलेट सेना के वाहनों की मोटी लोहे की चादर को पार करते हुए जवानों को लगीं।

पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। आतंकियों ने सोशल मीडिया पर हमले वाली जगह की तस्वीरें भी जारी कीं, जिसमें एम-4 राइफल के इस्तेमाल का दावा किया गया। डेरा की गली और बुफलियाज के एक अंधे मोड़ पर घात लगाए आतंकियों ने काफिले पर अमेरिकी एम-4 असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थीं। डेरा की गली और बुफलियाज के एक अंधे मोड़ पर घात लगाए आतंकियों ने काफिले पर अमेरिकी एम-4 असॉल्ट राइफल से स्टील बुलेट फायर की थीं।

6 और 7 जुलाई को कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हुई- जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में 6 और 7 जुलाई को मुदरघम और चिन्निगम फ्रिसल में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच फायरिंग हुई थी। एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने 6 आतंकियों को मार गिराया था। 2 जवान भी शहीद हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकी हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़े थे। इनमें एक पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी संगठन का स्थानीय कमांडर भी था।

राहुल गांधी मणिपुर हिंसा के प्रभावितों से मिले

● जिरिबाम, चुराचांदपुर के रिलीफ कैंप में लोगों से मुलाकात की, राज्यपाल से की मुलाकात

इंफाल/गुवाहाटी (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को असम और मणिपुर के दौरे पर हैं। राहुल ने दोपहर 3 बजे के करीब मणिपुर के चुराचांदपुर में मंडप तुईबोंग रिलीफ कैंप में मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के मुलाकात की।

अब राहुल शाम 4.30 बजे मोईरांग में फुबाला कैंप में पहुंचें। शाम को गवर्नर से मुलाकात की। इससे पहले राहुल दोपहर 12 बजे जिरिबाम पहुंचे थे। यहां हायर सेकेंडरी स्कूल में बनाए गए राहत शिविर में मौजूद लोगों से मुलाकात की थी। इससे पहले सुबह 10 बजे पहले असम के सिलचर पहुंचे थे। उन्होंने फुलेरताल के थलाई इन यूथ केयर सेंटर में राहत शिविर का दौरा किया। यह इलाका हिंसा प्रभावित मणिपुर से लगा हुआ है।

नगीना से लोकसभा चुनाव हारे बीजेपी नेता ओम कुमार बोले

वोट नहीं दोगे तो काम भी नहीं करूंगा...

बिजनौर (एजेंसी)। बिजनौर की नहटौर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक ओम कुमार का रविवार को कार्यक्रम में बोलने का विवादित बात कहने का वीडियो सामने आया हैं। उन्होंने सार्वजनिक तौर पर कहता सुना जा रहा है कि जिसने वोट नहीं दिया अब उसका काम भी नहीं करूंगा। विधायक ने कहा कि अब सबका साथ सबका विकास नहीं चलेगा। साथ ही अफसरों को भी एक तरह से हड़काया और कहा कि जो मेरे समर्थकों का काम नहीं करेगा वह अफसर जिले में नहीं रहेगा। दरअसल ओम कुमार नगीना लोकसभा सीट से हाल में हुए चुनाव में कैंडिडेट रहे थे।

मुंबई में 6 घंटे में 300 एमएम बारिश

● केदारनाथ, बद्रीनाथ हाईवे समेत 115 से ज्यादा सड़कें बंद ● 11 राज्यों में तेज बारिश, कई जगह बाढ़ के हालात

50 फ्लाइट्स, 5 ट्रेन कैंसिल, स्कूल-कॉलेज बंद; चारधाम में 6,000 श्रद्धालु फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में कल देर रात 1 बजे से सोमवार सुबह 7 बजे तक छह घंटों में करीब 300 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। इस कारण शहर के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। तेज बारिश के चलते मुंबई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी भी घटी। रात 2:22 बजे से सुबह 11 बजे तक की 50 फ्लाइट्स को कैंसिल करना पड़ा।

इनमें से 42 फ्लाइट्स इंडिगो, 6 फ्लाइट्स एयर इंडिया और 2 फ्लाइट्स अन्य एयरलाइंस की हैं। रेलवे ने बताया कि ट्रैक पर पानी भरने के कारण मुंबई डिवीजन की 5 ट्रेन कैंसिल कर दी गईं। वहीं कुछ लोकल ट्रेन भी कई घंटों की देरी से चल रही हैं। मुंबई में बीएमसी ने सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेजों में आज के लिए छुट्टी घोषित कर दी है।

- **हिमाचल प्रदेश : 76 सड़कें बंद, सामान्य बारिश से 66 प्रतिशत ज्यादा बारिश-** हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण 76 सड़कें बंद हो गई हैं। 69 वाटर सप्लाई स्कीम और 34 इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई स्कीम भी बाधित हुई हैं।
- **उत्तराखंड : गंगा समेत 6 नदियां खतरे के निशान पर, ऋषिकेश में श्रद्धालु फंसे-** उत्तराखंड में चार दिन से जारी बारिश के चलते गंगा, अलकनंदा, भागीरथी, सारदा, मंदाकिनी और कोसी नदी खतरे के निशान पर बह रही हैं। ऋषिकेश में गंगा नदी का स्तर 339.15 मीटर है, जो खतरे के निशान के बेहद करीब है।
- **पश्चिम बंगाल : कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, जलपाईगुड़ी में 166 मिली बारिश-** पश्चिम बंगाल के हिमालय की तराई वाले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं।
- **असम : 22 लाख लोग बाढ़ में फंसे, 8 लोगों की मौत हुई-** असम में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी हुई है। रविवार को बाढ़ में आठ और लोगों की जान चली गई। इससे इस साल की बाढ़, लैंडस्लाइड और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है।
- **गोवा : सत्तारी वाटरफॉल पर फंसे 80 लोग का रेस्क्यू, स्कूलों में छुट्टी का ऐलान-** गोवा के सत्तारी तालुका में पाली झरने पर 80 लोग फंस गए थे, रेस्क्यू किया गया।

जल्द सुलझेगा बंगाल में कुलपतियों का मसला

● वीसी अप्वाइंटमेंट के लिए सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीजेआई यूयू ललित को बनाया समिति का प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के पूर्व चीफ जस्टिस रह चुके यू यू ललित को पश्चिम बंगाल में कुलपतियों की नियुक्ति के लिए समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। दरअसल, बंगाल की टीएमसी सरकार का राज्य के गवर्नर सी वी आनंद बोस के साथ राज्य के विश्वविद्यालयों के संचालन के तरीके को लेकर मतभेद चल रहा है। गवर्नर बोस राज्य सरकार द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं।

समिति को दो हफ्ते के भीतर गठित करने का आदेश- जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने निर्देश देते हुए समिति का गठन दो हफ्ते के भीतर करने का आदेश दिया। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि राज्य सरकार और राज्यपाल कार्यालय दोनों ही समिति के गठन पर सहमत हों।

झारखंड विधानसभा में हेमंत सोरेन ने विश्वास मत जीता

रांची (एजेंसी)। झारखंड विधानसभा में विश्वास मत हासिल करने के बाद अब हेमंत सोरेन के 11 नए मंत्रियों को राजभवन में आयोजित एक सादे समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आग्रह पर पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने भी मंत्री के रूप में शपथ ली। वहीं कांग्रेस कोटे से बादल पत्रलेख की जगह नए मंत्रिमंडल में दीपिका पांडेय सिंह ने मंत्री के रूप में शपथ ली।

जन और जनजातीय संस्कृति के विकास में अव्वल मध्यप्रदेश

भोपाल (नप्र)। जनजातीय वर्ग के समग्र विकास के लिये राज्य सरकार बेहद संवेदनशील है। इस वर्ग के लिये सरकार की संवेदनशीलता इसी तथ्य से परिलक्षित होती है कि सालाना बजट 2024-25 में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति (उप योजना) के लिये 40 हजार 804 करोड़ रूपये बजट आवंटित किया गया है। यह बजट वर्ष 2023-24 से 3 हजार 856 करोड़ रूपये (करीब 23.4 प्रतिशत) अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जनजातीय वर्ग के कल्याण और इन्हें समर्थ बनाने की संवेदनशील पहल पर ही इस वर्ष जनजातीय कार्य विभाग को पहले से अधिक धनराशि आवंटित की गई है। जनजातीय बंधुओं और इनकी समृद्ध संस्कृति के संरक्षण और विकास के लिये सरकार द्वारा अनेक नवाचारी कदम उठाये जा रहे हैं। सरकार के प्रयासों से जनजातीय वर्ग के विद्यार्थी, युवा, खिलाड़ी और कलाकार अब विकास की एक नई राह पर चल पड़े हैं।

राज्यपाल श्री पटेल ने बेडमिंटन खेलकर नव-निर्मित कोर्ट का किया शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राजभवन परिसर में बेडमिंटन खेलकर नव-निर्मित कोर्ट का शुभारंभ सोमवार को किया। उन्होंने इसके बाद कोर्ट परिसर की जानकारी ली एवं राजभवन के खिलाड़ी कर्मचारियों से चर्चा की। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवा कल्याण श्रीमती स्मिता भारद्वाज और राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता मौजूद थे। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव और राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रो.संजय द्विवेदी 'सरस्वती सम्मान' से अलंकृत

भोपाल। प्रख्यात मीडिया शिक्षक और लेखक प्रो.संजय द्विवेदी को 'सरस्वती प्रज्ञा सम्मान -2024' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान भोपाल स्थित गांधी भवन में निर्दलीय प्रकाशन,जन संगठन दृष्टि की ओर से आयोजित समारोह में पद्मश्री से अलंकृत वरिष्ठ पत्रकार श्री विजयदत्त श्रीधर ने प्रदान किया। इस अवसर पर नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय के प्रो.विजय कुमार कर्ण, गांधी भवन न्यास के सचिव दयाराम नामदेव, पत्रकार कैलाश आदमी,

गांधीवादी विचारक आर के पालीवाल, प्रिंस अभिषेक अज्ञानी विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रो.संजय द्विवेदी भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक हैं। वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रभारी कुलपति भी रह चुके हैं। उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण समाचार पत्रों में संपादक के रूप में काम किया है। मीडिया और राजनीतिक संदर्भों पर उनकी 35 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। सक्रिय पत्रकार,लेखक और संपादक के रूप में उन्होंने अपनी पहचान बनाई है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रो. द्विवेदी ने कहा हमारा मीडिया पश्चिमी मानकों पर खड़ा है, उसे भारतीय मूल्यों पर आधारित करने की आवश्यकता है। हमें संचार, संवाद की भारतीय अवधारणा पर काम करते हुए लोक-मंगल को केंद्र में रखना होगा और संचार के भारतीय माडल बनाने होंगे। इसके लिए समाधानपरक पत्रकारिता का विचार प्रासंगिक हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन विमल भंडारी ने किया।

सुरक्षित भविष्य के लिए पौध-रोपण जरूरी : राज्यपाल

- **राज्यपाल ने ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान में किया पौध-रोपण**

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सुरक्षित भविष्य के लिए पौध-रोपण ज़रूरी है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान में पौधे ज़रूर लगाए। राज्यपाल श्री पटेल ने स्वयं अभियान के तहत राजभवन परिसर में

अधिकारी-कर्मचारियों के साथ पौध-रोपण किया। उन्होंने क्रिसमस ट्री का पौधा रोपा।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री मुकेश चंद गुप्ता, अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, विधि अधिकारी श्री उमेश श्रीवास्तव और राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भोपाल के एलएनसीटी कैम्पस में बिजली के खंबे में आग

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रायसेन रोड स्थित एलएनसीटी कॉलेज कैम्पस में एक बिजली के पोल में आग लग गई। बिजली के तारों में आग लगने से चिंगारी काफी ऊपर तक उठ गई। आग के वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए। जिसमें ब्लास्ट होना भी सामने आया। वहीं, दो स्टूडेंट्स के घायल होने का जिक्र है। हालांकि, कॉलेज प्रबंधन ने इसे लेकर सफाई दी है।

डायरेक्टर अशोक राय ने बताया कि वीडियो में हॉस्टल के पास आग लगने और स्टूडेंट्स के घायल होने का जिक्र किया गया है, जो गलत है। बिजली का पोल हॉस्टल से दूर है। रविवार रात में बारिश के चलते तारों में से चिंगारी निकलने लगी थी। आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। कॉलेज में कोई बड़ा ब्लास्ट नहीं हुआ और न ही कोई स्टूडेंट घायल हुआ है। सब सुरक्षित है।

आधे घंटे में काबू पाया

जानकारी के अनुसार, पोल में लगी आग को करीब आधे घंटे में काबू पा लिया गया। कॉलेज मैनेजमेंट के अनुसार- कॉलेज के पास खुद का फायर सिस्टम है। इसकी मदद से आग बुझाई गई।

मुरैना में 70 लाख की वसूली के लिए 23 कनेक्शन काटे

चोरी के 16 केस बनाए

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों बकाया बिजली बिल वसूली के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मुरैना में 70 लाख रुपए बकाया राशि की वसूली के लिए बिजली कंपनी की टीम ने गत दिनों बाल निकेतन रोड पर 23 घरों के कनेक्शन काट दिए और 16 लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के केस बनाए। शहर में इन दिनों बिजली कंपनी का राजस्व वसूली अभियान चल रहा है। इसमें बिजली चोरी पर भी फोकस है। कलेक्टर मुरैना ने बिजली कंपनी को एक थानेदार, एक हवलदार व तीन सिपाही कोतवाली थाने से उपलब्ध कराए हैं। बिजली कंपनी की टीम ने गत दिनों गोपालपुरा बाल निकेतन रोड मुरैना पहुंचकर 23 बड़े बकायादारों के घर जाकर बिजली का बिल जमा करने के लिए कहा, लेकिन बकायादारों ने बिजली बिल जमा नहीं किये। कंपनी के सहायक प्रबंधक अशोक शर्मा ने 70 लाख रुपए की वसूली के लिए 23 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्रवाई की है।

प्रदेश में 3.42 लाख मीट्रिक टन मत्स्योत्पादन का

लक्ष्य किया गया हासिल

मछुआ दिवस पर राज्यमंत्री श्री पंवार ने मछुआरों को दी बधाई

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में 10 जुलाई को मछुआ दिवस मनाया जायेगा। इस संबंध में मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार ने मछुआरों को बधाई दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि प्रदेश में मछली पालन को प्रोत्साहित कर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले वर्ष प्रदेश में 3 लाख 42 हजार मीट्रिक टन मत्स्योत्पादन का लक्ष्य हासिल किया गया। उन्होंने कहा कि मछुआरों की सहकारी समितियों से आगामी वर्ष में प्रदेश में 3 लाख 90 हजार मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन के लक्ष्य को हासिल किया जाएगा। राज्यमंत्री श्री पंवार ने अपने संदेश में कहा कि नीली क्रांति से प्रदेश में आर्थिक क्रांति लाने के ठोस प्रयास किये जा रहे है। इसके लिये अधिक से अधिक लोगों को मछली पालन के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार मछली पालन के साथ-साथ उसके प्र-संस्करण, विपणन और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है। राज्य मंत्री श्री पंवार ने कहा कि राज्य सरकार ने मछुआरों एवं मत्स्य पालकों को किसान क्रेडिट कार्ड के दायरे में लाने के लिये विशेष अभियान चालाया है। इस अभियान से उन्हें सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस सुविधा के मिलने से प्रदेश के मत्स्य पालक साहूकारों और बिचौलियों के हाथों से फँसने से बच सकें है।

जिला स्तर पर होंगे कार्यक्रम

प्रदेश में 10 जुलाई को जिला स्तर पर मछुआ दिवस पर आयोजन होगा। मछुआरों और मत्स्य पालकों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी जायेगी। 10 जुलाई 1957 को डॉ. हीरालाल चौधरी द्वारा सीफा भुवनेश्वर में पहली बार सफर मछली का सफलतापूर्वक प्रजनन कराया गया था। यह एक ऐसा उल्लेखनीय कार्य था, जिससे मछली पालन के क्षेत्र में एक नई क्रांति आयी। इस क्रांति को नीली क्रांति का नाम दिया गया।

मत्स्य उत्पादन संवर्धन के लिये वर्ष 2024-25 का रोडमेप तैयार

प्रदेश में मत्स्य उत्पादन को बढ़ाने के लिये वर्ष 2024-25 में विभाग ने रोडमेप तैयार किया है। रोडमेप के जरिये प्रदेश में मत्स्य उत्पादन की नई संभावनाओं के लिये स्थानों को चिन्हित किया जा रहा है। प्रकृतिक तालाबों एवं जल-संरचनाओं को मत्स्य पालन के अनुकूल बनाने के लिये विभाग द्वारा ठोस प्रयास किये जा रहे है।

फोटो खिंचवाकर नेता नहीं बनोगे : दिग्विजय

कार्यकर्ताओं से कहा- राहुल गांधी से सीख लो, लोगों के सुख-दुख में शामिल होकर चर्चा करें

भोपाल (नप्र)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस के युवा नेताओं से कहा है कि उन्हें अपने नेता राहुल गांधी से सीख लेना चाहिए। सिर्फ नेताओं के साथ फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से नेता नहीं बनोगे, बल्कि गांव-मोहल्ले के लोगों के दुख-सुख में शामिल होकर उनकी समस्याओं को समझने पर ही ऐसा हो सकता है। इसके लिए दिग्विजय ने अपूर्व भारद्वाज का एक ट्वीट भी एक्स (ट्वीटर) पर टैग किया है, जिसमें राहुल इसी तरह की बातें कर रहे हैं।

कांग्रेस जन अपने घरों से निकलो- पूर्व सीएम सिंह ने सोमवार को किए ट्वीट में लिखा है कि हे मेरे मित्रों, समस्त कांग्रेस जन अपने घरों से निकलो। अपने नेता राहुल गांधी से कुछ सीख लो। केवल नेताओं के साथ सेल्फी खिंचवा कर सोशल मीडिया पर डाल कर नेता नहीं बनोगे। अपने गांव, अपने मोहल्ले में लोगों से मिलो। उनके सुख-दुख में शामिल हो, उनके साथ बैठ कर जन समस्याओं पर चर्चा कर कांग्रेस का पक्ष रखो। महंगाई, बेरोजगारी, पेयजल, सड़क, बिजली के बढ़ते हुए बिलों के बारे में उनसे चर्चा करो।

6 दिन पहले भी राहुल गांधी का वीडियो किया था टैग- पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने 6 दिन पहले भी राहुल गांधी का लोकसभा में वक्तव्य देने वाला वीडियो टैग कर लिखा है कि राहुल गांधी के विचारों को अवश्य सुनें। क्या इसमें एक शब्द भी हिंदू धर्म विरोधी है? हां, हम यह कहते हैं कि बीजेपी, आरएसएस, विहिप, बजरंग दल हमारे हिंदू धर्म के एकमात्र ठेकेदार नहीं हैं। उनसे हम इतना ही अनुरोध करते हैं। द्वेष, हिंसा, नफरत,असत्य का रास्ता छोड़िए और शांति का मार्ग अपनाइए। प्रेम, सद्भाव, सत्य,

अहिंसा का मार्ग अपनाइए।ज्सत्य मेव जयते।

एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिये आवेदन 15 जुलाई तक

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग में एक वर्षीय सेवा कालीन प्रशिक्षण (अग्रेंजी भाषा) प्रारंभ किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत संचालित आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (इंग्लिश लैंगवेज टीचिंग इन्स्टीट्यूट) में दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबद्ध है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने स्कूल शिक्षा विभाग के शिक्षकों से प्रशिक्षण के लिये आवेदन आमंत्रित किये हैं। आवेदन 15 जुलाई 2024 तक जमा कराये जा सकते हैं। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को पत्र लिखकर प्रत्येक जिले से कम से कम 2 पात्र आवेदकों के आवेदन rsk.mponline.gov.in के माध्यम से भेजने के निर्देश दिये गये हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम पाठ्यक्रम वर्ष 2024-25 के लिये आयोजित किया जा रहा है। पाठ्यक्रम में प्रदेश के प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व हो, यह सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। यह प्रशिक्षण अंग्रेजी भाषा के शिक्षकों के लिये राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों में कौशल विकास किया जाता है।

भोपाल में युवक के अंधे कत्ल का खुलासा

भतीजी को साथ रखने से नाराज चाचा ने दो साथियों के साथ मिलकर की हत्या

भोपाल (नप्र)। गुनगा के दिल्हौद में 12 जून 2024 को युवक की लाश मिली थी। मृतक के सिर में चोटों के गंभीर निशान मिले थे। पुलिस ने पीएम के बाद हत्या का केस दर्ज मामले की जांच शुरू की थी। पांच अलग-अलग टीमें अज्ञात हत्यारों की तलाश में जुटी थीं। तकनीकी जांच में एक संदेही का नाम सामने आया था। मृतक और इस संदेही के बीच पुरानी रंजिश की बात सामने आई थी।

मृतक और उसके भतीजे ने मुख्य आरोपी की भतीजी को ससुराल से भगा लाया था। उसे कुछ दिन साथ भी रखा था। इसी का बदला लेने की नीयत से लड़की के चाचा ने दो साथियों के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया था। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

एसपी ग्रामीण प्रमोद कुमार सिन्हा ने बताया कि चाकखेड़ी निवासी भूरा उर्फ शेर सिंह राजपूत (35) की लाश ग्राम दिल्हौद में 12 जून को सड़क किनारे झाड़ियों में मिली थी। बॉडी की शिनाख्ती के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान सामने आया कि भूरा और उसके भतीजे ने उसी के गांव में रहने वाले बाबू राजपूत की भतीजी को शादीशुदा होने के बाद भी उसके ससुराल से भगा लाया था।

उसे अपने साथ घर में कुछ समय तक रखा था। इसी बात को लेकर पूर्व में भी दोनों पक्षों में विवाद होते रहे हैं। संदेह के आधार पर बाबू की तलाश शुरू की। तब पता लगा कि भूरा की हत्या के बाद से वह घर नहीं लौटा है, इससे उस पर संदेह अधिक गहरा गया। उसकी तलाश में टीमें लगाई गई थीं।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ा गया आरोपी

एसपी के मुताबिक रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी बाबू गुनगा किसी से मिलने आने वाला है। निगरानी के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पूछताछ में बताया कि भूरा पूर्व में उसके पिता के साथ अभद्रता कर मारपीट कर चुका है। भतीजी का घर बिगाड़ने में भी भूरा का ही हाथ था। इतना ही नहीं वह पिछले दिनों उसे झूठे केस में भी फंसा चुका है।

इन सब बातों से तंग आकर उसने हत्या की साजिश दोस्त सुरेंद्र मेहर और भोपाली धानक के साथ मिलकर रची थी। उन्हें हत्याकांड में शामिल करने के लिए तीस-तीस हजार रुपए दिए थे। पूरी रेकी के बाद भूरा की घेरकर हत्या की थी। डंडे से पीट-पीटकर उसे मौत के घाट उतारा था। बाबू की निशानदेही पर पुलिस ने उसके दोनों साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुणे-जबलपुर, दादर-बलिया समेत 33 ट्रेनें कैंसिल

खंडवा यार्ड री-मॉडलिंग, गेज परिवर्तन के चलते निर्णय; भोपाल से भी गुजरती हैं ट्रेनें

भोपाल (नप्र)। भोपाल, खंडवा समेत मध्यप्रदेश के कई रेलवे स्टेशनों से गुजरने वाली पुणे-जबलपुर, दादर-बलिया सेंट्रल एक्सप्रेस समेत कुल 33 ट्रेनें कैंसिल की गई है। 13 से 24 जुलाई के बीच ये ट्रेनें कैंसिल रहेगी। रेलवे के अनुसार, मध्य रेल के भुसावल मंडल के भुसावल-खंडवा खंड के बीच गेज परिवर्तन एवं खंडवा यार्ड री-मॉडलिंग कार्य के चलते यह निर्णय लिया गया है। भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कुछ यात्री गाड़ियों को निरस्त किया गया है।

ये ट्रेनें निरस्त

- गाड़ी संख्या 01025, दादर सेंट्रल-बलिया एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15, 17, 19 और 22 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 01026, बलिया-दादर सेंट्रल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 17, 19, 21 और 24 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 01027, दादर सेंट्रल-गोरखपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14, 16, 18, 20 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 01028, गोरखपुर-दादर सेंट्रल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 16, 18, 20, 22 और 23 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 02131, पुणे-जबलपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15 और 22 जुलाई को कैंसिल रहेगी।
- गाड़ी संख्या 02132, जबलपुर-पुणे एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 02185, रीवा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 02186, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15 और 22 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 04715, बीकानेर-साईंनगर शिर्डी एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 13 और 20 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 04716, साईंनगर शिर्डी-बीकानेर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 05289, मुजफ्फरपुर-पुणे एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 13 और 23 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 05290, पुणे-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15 और 22 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 05326, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर स्पेशल, 19 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 11115, भुसावल-इटारसी एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 22 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 11116, इटारसी-भुसावल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 22 जुलाई को7
- गाड़ी संख्या 12167, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-वाराणसी एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 12168, वाराणसी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 16 और 23 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 12187, जबलपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15, 17 और 20 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 12188, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-जबलपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 16, 18 और 21 जुलाई को कैंसिल रहेगी।
- गाड़ी संख्या 15065, गोरखपुर-पनवेल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14., 15, 16, 18, 20 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 15066, पनवेल-गोरखपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15, 16, 17, 19, 20, 21 और 22 जुलाई को निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 15067, गोरखपुर - बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 17 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 15068, बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 19 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 15547, रक्सौल-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15 जुलाई को कैंसिल रहेगी।
- गाड़ी संख्या 15548, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-रक्सौल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 17 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 19013, भुसावल-कटनी एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14 और 22 जुलाई को कैंसिल रहेगी।
- गाड़ी संख्या 19014, कटनी-भुसावल एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 15 और 23 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 22171, पुणे-रानी कमलापति एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 22172, रानी कमलापति-पुणे एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 20 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 22455, साईंनगर शिर्डी-कालका एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 16, 20 और 23 जुलाई को निरस्त रहेगी।
- गाड़ी संख्या 22456, कालका-साईंनगर शिर्डी एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14, 18 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 82355, पटना-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 14, 17 और 21 जुलाई को।
- गाड़ी संख्या 82356, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-पटना एक्सप्रेस, अपने प्रारंभिक स्टेशन से 16, 19 और 23 जुलाई को कैंसिल रहेगी।

यात्रा से पहले करें पूछताछ

रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे असुविधा से बचने के लिए रेलवे के अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके यात्रा करें। ताकि, उन्हें परेशानी का सामना न करना पड़े।

संपादकीय

बिहार- ध्वस्त पुलों की राजधानी

बिहार अब पेपर लीक के साथ साथ पुल स्वस्त होने की भी राजधानी है। राज्य में विगत 17 दिनो में 12 पुराने व निर्माणाधीन पुल गिर चुके हैं। 13वीं एक पुलिया थी, जो 7 जुलाई को बही। जिस तेजी से बिहार में एक-एक कर के नदी नालों पर बने पुल गिर रहे हैं, उसे देखते हुए कोई भी अब बिहार की यात्रा करने के बारे में दो बार सोचेगा। न जाने कब कौन सा पुल ढह जाए? इन लगातार हो ही पुल ध्वस्तीकरण की घटनाओं पर जहां राजनीति शुरू हो गई है, वहीं राज्य की नीतीश कुमार सरकार जागी है और उसने उड़नदस्ता कमेटी की रिपोर्ट पर 15 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है। ठेकेदारों पर भी कार्रवाई की जा रही है ताकि आइंदा बिहार को ऐसी शर्मिंदगी का सामना न करना पड़े। यूं इस देश में निर्माणाधीन पुलों का गिरना कोई नई बात नहीं है, लेकिन बिहार में जिस तरह से ताश के पत्तों की तरह पुल ढह रहे हैं, उससे कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। एक बात साफ है कि पुल निर्माण की गुणवत्ता घटिया है और दूसरे इसकी डिजाइन में हद दर्जे की लापरवाही बरती गई है। यानी पुल निर्माण के हर स्तर पर भ्रष्टाचार है। वरना इतने धड़ाधड़ पुल गिरना कोई सामान्य बात नहीं है। आज देश में अंगरेजों के जमाने में बने कई पुल बाकायदा मजबूती के साथ खड़े हैं और उनका उपयोग भी हो रहा है, जबकि इन पुलों की डिजाइन आज के जमाने के ट्रैफिक के हिसाब से नहीं की गई थी। अमूमन ऐसी घटनाएं बड़ी प्राकृतिक आपदा के समय होती हैं। लेकिन बिहार में बिना किसी प्राकृतिक आपदा के ही पुल के ध्वस्त होने का क्रम जारी है। राज्य में इस साल पहला पुल साल अररिया जिले के सिकटी प्रखंड में 18 जून को गिरा था। उसके बाद एक दिन में पांच पुल गिरने का रिकॉर्ड भी बिहार में बन चुका है। हाल में गिरे पुलों में से 6 तो बहुत पुराने थे, जबकि 3 निर्माणाधीन थे। अधिकृत जानकारी के अनुसार भारत में 1977 से लेकर 2021 के बीच 214 पुल गिरे थे। हाल के समय को देखें तो 2012 से 2022 के बीच पुल गिरने की 285 घटनाएं हुईं। 2022 गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना पुल टूटने से 141 लोगों की मौत हुई। गौरतलब है कि भारतीय पुल प्रबंध प्रणाली (आईबीएमएस) के आंकड़ों के मुताबिक भारत में नेशनल हाइवे पर कुल 1 लाख 17 हजार 517 पुल पुलिया हैं। इनमे 30 फीसदी पुलिया, 15 फीसदी छोटे पुल 8.1 प्रतिशत बड़े पुल तथा 5 फीसदी ज्यादा लंबे पुल खराब हालत में हैं। संक्षेप में कहें तो पुल की डिजाइन, निर्माण से लेकर उसके अंनत काल तक इस्तेमाल की खामियां ही पुलों को जमींदोज कर रही हैं। बिहार में पुलो के गिरने के पीछे आंरभिक कारण नदियों का गहरीकरण और बालू खनन है। राज्य में कई नदियों का बहाव ठीक करने के लिए बड़े पैमाने पर गहरीकरण का काम किया गया है। लेकिन ऐसा करते समय इस बात का ध्यान नहीं रखा गया कि उससे पुलों की नींव बेहद कमजोर हो गई। यह एक कारण हो सकता है, लेकिन पुल निर्माण में हर स्तर पर लापरवाही बरती गई, यह समझने के लिए किसी रिपोर्ट की जरूरत नहीं है। सरकार ने जिम्मेदार इंजीनियरों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है, लेकिन जिस आराम से यह सब हो रहा है, उससे नहीं लगता कि सरकार ने इन घटनाओं को बहुत ज्यादा गंभीरता से लिया है। जांच के रिपोर्ट के बाद लीपापोती होगी और मामला दब जाएगा।

नजरिया

अशोक भाटिया

लेखक मुंबई निवासी स्वतंत्र पत्रकार हैं।

ब्रिटेन में सत्ता बदलाव का भारत पर क्या पड़ेगा असर ?

ब्रिटेन के मतदाताओं ने लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाई है। 650 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीतीं। जिससे कंजरवेटिव पार्टी की सत्ता पर 14 साल की पकड़ खत्म हो गई। स्टारमर अब ऋषि सुनक की जगह लेंगे, जो पहले ब्रिटिश एशियाई प्रधानमंत्री थे। जिन्होंने भारत को अपने पक्ष में किया और मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने की कोशिश की। जो बाजार पहुंच और ऑटोमोबाइल और शराब पर टैरिफ जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण मुश्किल में पड़ गया था।

अब स्टारमर के आने से ब्रिटेन में उनकी पार्टी के हौसले बुलंद हैं। चुनाव जीतने वालों में कई भारतीय चेहरे भी शामिल हैं, जिसमें प्रीति कौर गिल का चेहरा भारत से रिश्तों के लिहाज से काफी अहम साबित हो सकता है। ब्रिटेन की पहली सिख महिला सांसद लेकिन इनकी असली पहचान भारत विरोध से जुड़ी है, जो समय-समय पर भारत के खिलाफ जहर उगलती रहती हैं।

साल की शुरुआत में लेबर पार्टी से चुनाव जीतीं प्रीति कौर गिल ने ब्रिटिश संसद के निचले सदन में ब्रिटेन में रहने वाले सिखों का मुद्दा उठाया और कहा था कि भारतीय एजेंट्स का टारगेट ब्रिटेन में रहने वाले सिख हैं। ब्रिटेन में रह रहे कई सिख उनकी हिट लिस्ट में हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि ब्रिटिश सरकार सिखों की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रही है। उन्होंने स्पीच में ऑस्ट्रेलिया कनाडा, न्यूजीलैंड, अमेरिका और K के इंटेलिजेंस अलायंस का जिक्र भी किया। प्रीति कौर गिल ने ये सब बातें चुनाव से पहले कही थीं। लेकिन तब उनकी पार्टी की सरकार नहीं थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है।

14 साल बाद लेबर पार्टी का प्रधानमंत्री 10 डाउनिंग स्ट्रीट में रहेगा। इससे पहले लेबर पार्टी साल 2010 में जीती थी। लेकिन उसके बाद कंजर्वेटिव पार्टी के ही प्रधानमंत्री बनते रहे। इस दौरान भारत और ब्रिटेन के रिश्ते खूब बढ़े। लेकिन 10 डाउनिंग स्ट्रीट में लेबर पार्टी का प्रधानमंत्री आने से खालिस्तान को लेकर नई सरकार का क्या रुख रहेगा। इस पर भारत की नजर रहेगी।

पिछले साल मार्च के महीने में लंदन में भारतीय उच्चायोग पर 50 खालिस्तान समर्थकों ने हमला किया था। इस घटना का असर दोनों देशों के रिश्तों पर भी पड़ा था। ऐसे में ब्रिटेन की सत्ताधारी पार्टी में खालिस्तान समर्थकों का बोलबाला क्या खालिस्तान समर्थकों का हौसला बढ़ाने वाला साबित नहीं होगा? क्योंकि सिख लेबर काउंसलर परबिंदर कौर पहले ही खालिस्तान समर्थक पोस्ट साझा करने के लिए पार्टी की जांच के घेरे में हैं जिसमें भारत में नेताओं की हत्या करने वाले आतंकवादी समूहों और आतंकवादियों का भी समर्थन किया गया था।

किएर स्टार्मर ने लेबर पार्टी को जिताने के लिए अपनी पार्टी की नीतियों पर दोबारा विचार किया। उन्हें बदला। सवाल ये है कि क्या विदेश नीति को लेकर भी किएर स्टार्मर ऐसा ही करेंगे। क्योंकि पिछले 14 सालों में दुनिया काफी कुछ बदल चुकी है। भारत एक उभरती शक्ति है। जो अपनी चिंता और ऐतराज को पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक होकर दर्शाता है। ऐसे में किएर स्टार्मर का भारत को लेकर क्या रुख रहता है। भारत के लिहाज से ये अहम होगा।

लेबर पार्टी से एक और सांसद वरिंदर जूस ने भी जीत दर्ज की है। वो वॉल्वर हैम्प्टन वेस्ट से सांसद हैं। जूस के साथ-साथ कौर पर खालिस्तानी समूहों से संबंध रखने का आरोप है। उन्होंने लाभ सिंह और सुखदेव सिंह बब्बर जैसे अलगाववादियों की एक गैलरी के सामने स्टार्मर के साथ पोज़ दिया था। तो प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी ने उन्हें टिकट दिया और किएर स्टार्मर ने उनके लिए प्रचार किया। इसीलिए सवाल उठ रहा है कि क्या ब्रिटेन में हुआ सत्ता परिवर्तन भारत से पक्ष में साबित होगा या फिर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर ब्रिटेन में भारत के खिलाफ जहर उगलने वालों को खुली छूट मिल जाएगी?

ब्रिटेन में बनने वाली नई सरकार का कश्मीर को लेकर क्या रुख रहता है। इस पर भी दोनों देशों के रिश्ते काफी कुछ निर्भर करेंगे। लेबर पार्टी कश्मीर पर भारत विरोधी रुख अपनाती आई है। पार्टी कश्मीरियों के लिए आत्मनिर्णय के आह्वान का समर्थन करती रही है। अब सवाल ये है कि क्या किएर स्टार्मर अपनी पार्टी की इस भूल को सुधारेंगे?

माना जाता है कि कंजर्वेटिव पार्टी के सत्ता में आने के बाद से भारत और ब्रिटेन के रिश्ते मजबूत हुए। खासकर बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में ऊर्जा आई। साल 2022 में द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक मजबूत किया गया। लेकिन स्टार्मर लेबर पार्टी से हैं। जिनका रुख ऐतिहासिक तौर पर भारत को लेकर नरम नहीं माना जाता। लेबर पार्टी कश्मीर मुद्दे पर भारत विरोधी रुख अपनाती आई है।

पार्टी कश्मीरियों के लिए आत्मनिर्णय के आह्वान का समर्थन करती रही है। खास तौर पर साल 2019 में जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में, लेबर ने अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों को कश्मीर में प्रवेश करने की वकालत करते हुए एक आपातकालीन प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव में घोषणा की गई थी कि कश्मीर में मानवीय संकट पैदा हो गया है। प्रस्ताव में इस बात को भी बहुत ज़ोर दिया गया था कि कश्मीर को आत्मनिर्णय का अधिकार दिया जाना चाहिए। भारत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया था। लेबर पार्टी के कॉर्बिन से भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु तनाव को रोकने के लिए मध्यस्थता की सुविधा और शांति बहाल करने के लिए दोनों देशों के उच्चायुक्तों के साथ जुड़ने का भी आग्रह किया गया।

कश्मीर को लेकर जर्मी कोर्बिन से जुड़ी ये बात पुरानी हो चुकी है। स्टार्मर ने लेबर पार्टी को पूरी तरह से बदल डाला है। 4 साल पहले लेबर पार्टी के नेता के तौर पर किएर स्टार्मर सफाई दे चुके हैं कि कश्मीर, भारत और पाकिस्तान का आपसी मसला है। यही नहीं किएर स्टार्मर जनता से भारत के साथ रिश्ते सुधारने का वादा करके सत्ता में आए हैं।

लेबर पार्टी पारंपरिक रूप से विचारधारा पर आधारित विदेश नीति पर चलती रही है। मानव अधिकारों के रिकॉर्ड लेकर लेबर पार्टी अक्सर भारत और दूसरे देशों की आलोचना करती रही है। भारत की सरकार ने इसे कभी नहीं पसंद किया है। एक और मुद्दा ब्रिटेन आकर बसने वाले भारतीय कामगारों को वर्क परमिट जारी करने का भी है। लेबर पार्टी का घोषित लक्ष्य ये है कि वो वैध प्रवासियों की संख्या को कम करेगी और अवैध प्रवासियों को ब्रिटेन में दाखिल होने से रोकेगी।

अगर लेबर पार्टी की सरकार भारत के साथ रिश्ते सुधारने को अपने एजेंडे का हिस्सा बनाती है, तो किएर स्टार्मर के लिए भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर दस्तखत करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। जिसका आगाज दोनों देशों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।तो साफ है कि अगर किएर स्टार्मर, भारत के साथ अच्छे रिश्ते कायम करना चाहते हैं, तो फिर उनको भारत सरकार को ये यकीन दिलाना होगा कि वो ज्यादा व्यवहारिक विदेश नीति पर चलेंगे। अब ये देखना होगा कि ब्रिटेन की नई सरकार इन दोनों के बीच किस तरह संतुलन बनाती है।

ब्रिटेन की जो आज हालत है उसे देखते हुए किएर स्टार्मर की राह आसान नहीं है। बड़ी बात ये है कि पिछली बार की तरह इस बार भी ब्रिटेन के चुनाव में भारतवंशियों का बोलबाला है। लेबर और कंजर्वेजिव पार्टी, दोनों दल से बड़ी संख्या में भारतवंशी जीतकर आए हैं। ऋषि सुनक भले ही चले गए हों। लेकिन इस बार पिछली बार से ज्यादा भारतवंशी ब्रिटिश संसद पहुंचे हैं। इस चुनाव में ब्रिटेन में 650 सीटों पर 107 भारतीयों ने अपनी किस्मत आजमाई थी जिसमें से कई चेहरे जीतने में कामयाब हो गए हैं। बड़ी बात ये है कि कोई भी पार्टी हो जीतने वालों में भारतीयों का दबदबा है।

ऋषि सुनक की पार्टी भले ही चुनाव हार गई हो लेकिन वो कड़े मुकाबले में उत्तरी इंग्लैंड से चुनाव जीत गए। लेबर पार्टी के सदस्य कनिष्क नारायण ने ब्रिटेन आम चुनाव में जीत हासिल की है। कनिष्क नारायण का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ है। वो 12 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए यूके चले गए थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड और फिर स्टैनफोर्ड में पढ़ाई की है। कनिष्क सिविल सेवक रह चुके हैं। इसके अलावा उनके पास प्राइवेट सेक्टर में भी काम अनुभव है

कंजर्वेटिव पार्टी की बड़ी नेता सुएला ब्रेवरमैन वाटरलूविले से जीती हैं। गगन मोहिंद्र पंजाबी हिंदू फैमिली से हैं। वह कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य हैं। वह यूके जनरल इलेक्शन में साउथ वेस्ट हर्ट्स से चुनाव जीते हैं। उनके माता-पिता पंजाब से थे। गगन मोहिंद्र के जन्म से पहले ही वो यूके चले गए थे।

लेबर पार्टी के सदस्य नवेंदु मिश्रा ने स्टॉकपोर्ट सीट से जीत हासिल की है। उन्होंने 2019 के चुनावों में भी इस सीट पर परचम लहराया था। उनकी मां गोरखपुर से आती हैं, जबकि उनके पिता उत्तर प्रदेश के कानपुर से हैं। इस सीट पर 1992 से हर चुनाव में लेबर पार्टी के सांसद ने जीत दर्ज की है। इसके अलावा सतवीर कौर भी साउथैम्पटन टेस्ट से सांसद बनने वाली भारतवंशी हैं।

पिछली संसद में लेबर पार्टी के छह सांसद भारतीय मूल के थे। इस बार ये तादाद दो गुना बढ़ने की बात हो रही है। लेबर पार्टी में स्टार्मर के करीबियों को लगता है कि ब्रिटेन की ये राजनीतिक हकीकत दोनों देशों के रिश्तों में सुधार सुनिश्चित करेगी। कंजर्वेटिव पार्टी की शिवानी राजा लीसेस्टर ईस्ट से चुनाव जीती हैं। उन्होंने लेबर पार्टी के राजेश अग्रवाल और बतौर निर्दलीय चुनाव मैदान में उतर पूर्व सांसद क्लाउड वेब्बे और कीथ वाज को हराया। बड़ी बात ये है कि लीसेस्टर ईस्ट से लेबर पार्टी पिछले 40 सालों से जीत रही थी। लेकिन इस बार देशभर में उसकी लहर के बावजूद शिवानी राजा ने अपनी पार्टी का परचम लहरा दिया।

ब्रिटेन के चुनावों में भारतीय मूल के लोग कितनी अहमियत रखते हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि ऋषि सुनक की तरह किएर स्टार्मर भी चुनाव से पहले हिंदू मंदिर पहुंचे। उन्होंने लंदन के स्वामीनारायण मंदिर में जाकर दर्शन किए और जयकारा भी लगाया और कहा कि ब्रिटेन में हिंदूफोबिया के लिए कोई जगह नहीं है। साल 2021 की जनगणना के अनुसार ब्रिटेन में 10 लाख से ज्यादा हिंदू आबादी है। 2011 में ब्रिटेन की कुल जनसंख्या का डेढ़ फीसदी हिंदुओं का था। ये बढ़कर 1।7 फीसदी हो गया। वहां ईसाई और मुस्लिम के बाद हिंदू तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के पूर्व अधिकारी हैं।

शिक्षा से रूकेंगे हाथरस भगदड़ जैसे हादसे

उत्तरप्रदेश के हाथरस जिले के पुलराई गाँव में नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में 2 जुलाई को मची भगदड़ के दौरान 123 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। अभी भी अनेक गंभीर घायल जीवन और मौत के बीच झूल रहे हैं। मृतकों में 113 महिलाएँ, 7 बच्चें और 3 पुरूष थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार 123 मौतों में से 74 की मौत दम घुटने, 15 की मौत सिर और गर्दन की हड्डी टूटने से हुई, 31 महिलाओं की पसलियाँ टूटकर दिल और फेफड़े में घुस जाने से मौतें हुई। भगदड़ में हुई मौतें मात्र लापरवाही नहीं है बल्कि, गंभीर अपराध है। इसलिए दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलना जरूरी है, ताकि भविष्य में फिर ऐसी घटनाएँ नहीं होने पाए।

हाथरस के गाँव में हुए सत्संग में करीब ढाई लाख लोगों के आने की सूचना है, जबकि इनके बंदोबस्त के लिए केवल एक एसडीएम और मात्र 40 पुलिसकर्मी ही थे। सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ऐसे मौके पर मची भगदड़ में व्यवस्थाएँ संभालने के लिए पुलिस बल नगण्य था। इसके लिए सीधे-सीधे राजस्व अनुविभागीय अधिकारी, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी के साथ ही डीएम और एसएसपी भी पूरी तरह से जिम्मेदार है। उन्होंने स्थिति को भापने में पूरी तरह से गलती की और सुरक्षा के कुछ भी बंदोबस्त नहीं किए। इसके लिए इन सबको तुरन्त निलंबित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गंभीर लापरवाही और अपराध पर इनके विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज की जाना चाहिए। गाँव में 27 जून से ही मध्यप्रदेश, राजस्थान सहित आसपास के राज्यों से करीब 500 बस पहुँच चुकी थी। श्रद्धालु टेंट लगाकर या बसों के नीचे सो रहे थे। प्रशासन इसे लगातार अनदेखा करता रहा और लगभग सोता रहा। देश में इस समय धर्म का बाजार बहुत अच्छा चल रहा है! आए दिन नई-नई दुकानें खुल रही है। इन बाबाओं पर राजनैतिक दलों और रसूखदारों का संरक्षण रहता है। यही नहीं वे बाबा के पैरों में दंडवत करने के लिए भी जाते रहते हैं। इस कारण उनके हौंसले बहुत बढ़ जाते हैं। इससे वे बेखौफ अपनी धर्म की दुकान चलाते रहते है। किसी सरकार का उन पर कोई नियंत्रण नहीं है।

हाथरस में हुई भगदड़ के प्रमुख कारण जो सामने आए हैं, उनमें बाबा की चरण रज और अमृत जल में छिपी है। श्रद्धालु अंधविश्वास के कारण वहाँ दिए जा रहे पानी को अमृत कहते हैं। भोले बाबा का नेटवर्क आसपास के राज्यों में जबरजस्त फैला हुआ था। हर गाँव में करीब 10 सेवादार होते थे। वे गाँव के लोगों को सत्संग के बारे में बाबा की चरण रज और

अमृत जल की महिमा के बारे में बताते थे और उन्हें कारों और बसों में बैठाकर कार्यक्रम स्थल ले जाते थे।

भगदड़ के तीसरे दिन पुलिस ने 6 लोगों को पकड़ा। इनमें 4 पुरूष और 2 महिलाएँ थी। ये सभी आयोजन समिति के सदस्य और सेवादार है। बाद में मुख्य आयोजक देवप्रकाश मधुकर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। किन्तु सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति बाबा पर पुलिस ने अभी तक हाथ नहीं डाला है। यह कई तरह की शंका उत्पन्न कर रहा है। पुलिस को मुख्य अभियुक्त के तौर पर बाबा को मुल्जिम बनाया जाना चाहिए और उसके फरार होने पर भारी भरकम ईनाम घोषित कर उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज होना चाहिए। सर्वोच्च प्राथमिकता पर बाबा को गिरफ्तार कर उस पर 123 मौतों के लिए जिम्मेदार मानते हुए मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

हाथरस के सत्संग के दौरान मची भगदड़ और 123 मौतों के जिम्मेदार मूल कारणों की एसआईटी ने जाँच कर 15 पेज की शुरूआती रिपोर्ट तैयार की है। इसमें सारा दोष प्रशासन और आयोजकों पर मड़ा गया है। एसआईटी द्वारा एकत्र साक्ष्य आयोजकों के दोषी होने का साफ संकेत दे रहे हैं। जाँच रिपोर्ट में जिला स्तर तक के कई अधिकारी की भी लापरवाही मानी गई है। इसलिए भी राजस्व, पुलिस विभाग के सभी कनिष्ठ और वरिष्ठ अधिकारियों को एक साथ निलंबित किया जाना समय की माँग है। यह भी जानकारी मिली है कि डीएम और एसएसपी भी घटना के करीब पौने तीन घंटे बाद घटनास्थल पहुँचे थे। इसलिए भी इनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई होना आवश्यक है।

आइये, आपको हाल के वर्षों में देश में मंदिरों और धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की कुछ प्रमुख घटनाएं के बारे में बताते हैं। 2005 में महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत शायद आपको याद ही न हो। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी। मध्यप्रदेश में 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। एक जनवरी 2022 को जम्मू-कश्मीर स्थित प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। 14 जुलाई 2015 को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी जिले में 'पुष्करम' उत्सव के पहले दिन गोदावरी नदी के तट पर एक प्रमुख स्नान स्थल पर भगदड़ से 27 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गएथे। तीन अक्टूबर 2014 में दशहरा समारोह समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में भगदड़ मचने से 32 लोगों की मौत हो गई थी। 13 अक्टूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 115 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि सत्संग में आए अधिकांश श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्रों के ही थे। इसमें भी महिलाएँ सर्वाधिक थी, जो अपने साथ छोटे बच्चों को लेकर आई थी। सत्संग में आए लोग अधिकांश अनपढ़ थे, जो अंधविश्वास के कारण बाबा की चरण रज और अमृत जल पाने के लिए सत्संग में आए थे। इस भगदड़ में हुई मौतों का सीधा संबंध अशिक्षा से है। इसलिए केन्द्र और समस्त राज्य सरकारों का दायित्व बनता है कि वे सर्वोच्च प्राथमिकता पर शिक्षा पर खर्च करें। सभी स्कूलों में रिक्त शिक्षकों के पदों की अनिवार्य रूप से पूर्ति करे। स्कूल भवन बनाए और वहाँ तमाम आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करे। आज केवल साक्षर होना ही जरूरी नहीं है, शिक्षित होना भी जरूरी है। यह केवल शिक्षा से ही संभव हो सकता है। अन्यथा इसी प्रकार बाबाओं के सत्संग में आए दिन भगदड़ मचती रहेगी,मौतें होती रहेगी और बाबा लोग राजनैतिक संरक्षण पाकर अपनी दुकान बेखौफ चलाते रहेंगे।

कटाक्ष

विजी श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

शोक सभा की तैयारियां

साहब जी, जरूरी खबर है। क्षेत्र में दुर्घटना हो गई है। लोग लपक के मर रहे हैं। महोदय को उनके प्रमुख चेले ने त्वरित मैसेज किया और सबसे पहले खबर देने का गौरव हासिल किया। उधर, साहब जरूरी मीटिंग में थे इसलिए उन्होंने मोबाइल पर आए संदेश को सरसरी नजर से पढा जरूर किन्तु हाल-फिल्हाल करूणा पूरित नहीं हो पाए।तभी उनके एक और चट्टा का मैसेज आया-''बहुत दिन से हम आपके स्वागत का मौका ढूंढ रहे थे। शीघ्र आ जाइये। मरने वालों का ढेर लगा है यहां।'' इसके साथ हंसने वाली इमोजी भी थी। महोदय ने पीए को बुलाकर मामला पता करने के लिए कानाफूसी की। बैठक जारी थी तभी ऊपर से फोन आ गया-''अरे क्या कर रहे हो तुम, टीवी खोल के देखो, लाशें बिछी हुई हैं तुम्हारे हल्के में।''

महोदय ने मन मारकर बैठक खतम की और जल्दी-जल्दी लंच कर, गाड़ी में लद गए। रास्ते में भी क्षेत्रीय टोपी धारी सह टोपी बाजों को फोन लगाकर स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लिया और खुद को स्थिति के अनुरूप गंभीरता में ढालने में जुट गए।कुछ याद आया तो एक और खास चहीते को फोन किया। ''कंडोलेंस मीटिंग का इन्तजाम कर लेना। ज्यादा से ज्यादा लोग आना चाहिये। हमारा पहला दौरा है वहां। हमारी-तुम्हारी, दोनों की छवि बनना चाहिये।'' उधर से आवाज आई-'' अभी बहुत सारे घायल हैं, जितने और मरना है ठीक तरह से मर जाएं। फिर इकट्ठा ही कर लेंगे। नहीं तो बार-बार करना पड़ेगी।''

महोदय ने कहा-'' अरे नहीं। इस चक्कर में तो दो-तीन दिन खराब हो जाएंगे। वैसे भी ताजा-ताजा शोक सभाओं को ही कवरेज मिलता है। बाद में कोई नहीं पूछता। इसलिए तुम तो कल ही पत्रकारों को बुला लेना। जांच आयोग की घोषणा कर कड़ी कार्यवाही के आदेश भी दे दूंगा। फिर घायलों को अस्पताल में देखता हुआ कंडोलेंस मीटिंग अटैंड कर, ऊपर रिपोर्ट करने के बहाने निकल लूंगा।''

'' फिर भी थोड़ा रूक जाते तो ठीक था। कुछ आत्माओं की शांति की प्रार्थना करेंगे तो बाकी आत्माओं को क्या होगा'' -- आने वाली आवाज ने कहा। '' रूकने को तो कुछ नहीं, रूक भी जाते। लेकिन मेरे साले की सगाई है और मैंने सभी पार्टी वालों को इन्वीटेशन भेजे हैं। फिर यार यह तो तुम भी जानते हो कि श्रद्धांजलि देने से किसी की आत्मा को शांति तो मिलना नहीं है। खाली उनके घरवालों को दिखाना है कि हम इतनी दूर से तुम्हारा दुख बांटने आए हैं । वो हमारे साथ फोटो खिंचवा के ही खुश हो जाएंगे। ''

फिर बोले- '' अरे पूछना ही भूल गया। कौन जात के जादा मरे हैं ?'' लोकल लीडर ने जातिगत समीकरण बताया तो महोदय भड़क गए - '' स्साले वोट तो हमको दिये नहीं हैं, काय की कंडोलेंस दो इन्हें। मेरा बस चलता तो मरणोपरान्त भी गाली ही बकता इन्हें ...खैर चलो, अब जो हुआ सो हुआ...माला-वाला का इन्तजाम ढंग से कर लेना, मुर्दों को पहनाना पडेंगी न। और सुनो-थोड़ा चौकस रहना। ऐसे मौके पर कुछ लोग गुस्से में सियाही, अंडे, जूते वगैरह फेंक देते हैं।....अच्छा खाना-वाना तुम्हारे यहां ही खा लूंगा। वरना होटल-गेस्ट हाउस में खाने पर बेमतलब हल्ला मच सकता है।'' सारी जरूरी सूचनाएं देकर महोदय ने फोन काटा और घर पर फोन लगाकर बता दिया कि वे किसी जरूरी काम से दौरे पर जा रहे हैं। फटाफट काम निबटाकर कल शाम तक साले की सगाई के कार्यक्रम में पहुंच जाएंगे

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रकाश हेमावत

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अरे चुन्नी बाबू, तुम क्या जानो

समय-समय पर सभी के भाव आसमान पर चढ़ते हुए नजर आते हैं इसमें कोई दो मत नहीं है परंतु सबसे बड़े जादुई बात तो यह है कि जब किसी का भाव नीचे गिरते हैं तो दिखाई नहीं देता है। आवाज नहीं आती है। कोई हलचल नहीं होती है आखिर क्यों ? क्योंकि हमने हमारी आंखों ने इनको आसमान पर चढ़ते हुए देखा है और गिरते हुए नहीं देखा है । समझ गए ना मैं क्या कहना चाहता हूं ।

आलू , प्याज , लहसुन , सोयाबीन , टमाटर, दाल , तेल जैसों के भाव बढ़ने के साथ-साथ इन दिनों बरसात में छातों के भाव भी आसमान में चढ़ गए ऐसी स्थिति और परिस्थिति को देखकर यह कह सकते हैं कि इनका भी टाइम आ गया इनको साथ बैचने वाले के अच्छे दिन आ गए और सबसे बड़ी बात तो यह है कि , बरसात के दिनों मे छाता बेचने वाले दुकानदारों की ऐसी लगती है जिसे श्रद्ध पक्ष में 'कौवे' की उड़कर लगती है या फिर यूं कहूं नजर बदली तो नजारे बदल गई ठंड आए तो पिंजरे बदल गए । विभिन्न दुकानों पर टंगे हुए काले तथा रंग बिरंगी छाते हमारे मन को ललचा रहे हैं लुभा रहे हैं यह अपनी और आकर्षित कर रहे हैं जैसे कोई प्रेमिका अपने प्रेमी को रिझा रही है । इन ललचाने वाले छातों में कोई नेरो गेज , मीटर गेज , ब्राड गेज की तरह दिखाई दे रहे हैं कई छाते ब्लैक रंग में 'ब्लैक कमांडो' की तरह नजर आ रहे हैं तो कुछ छाते रंग बिरंगी रंगों में नजर आ रहे हैं इन छातों का आकार 12 , 14 , 16 ताडियो में होते है यानी कि , अमीर , गरीब और मध्यम परिवार की तरह होते है । बाजार में बिकने वाले छाते मात्र दो प्रकार के होते हैं उनको देखकर ऐसा लगता है जैसे 'स्त्रीलिंग और पुल्लिंग' हैं । छाते व्याकरण की दृष्टि से दो भागों में बांटा गया हैं शुक्र है भगवान का की , छाते बनाने वाले ने 'थर्ड जेंडर' नामक कोई छाता नहीं बनाया वरना जो खरीद कर ले जाता उसे किस नजर से देखा जाता उसको हम किसी शब्दों में बयां नहीं सकते हैं । बरसात के दिनों में छाता संगी साथी बनाकर गीला होने से बचा लेते हैं और बीमार होने से भी बच जाते हैं लेकिन , दुर्भाग्य से अगर छाता कहीं भूल जाते तों ऐसा लगता है जैसे परिवार का प्रिया जन कहीं गुम हो गया ऐसी स्थिति में छाते की रिपोर्ट थाने में दर्ज नहीं कर सकते हैं क्यों कि , विभिन्न प्रकार की कंपनियों द्वारा निर्मित छातों की शक्ल एक जैसी होती है इन्हें पहचानें, ढूंढने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है और फिर आप जानते ही हैं थाने की कार्रवाई

को बारे में आपको कुछ नहीं कहना चाहता हूं और न ही बताना चाहता हूं ।

जिसके पास छाता होता है उसे ऐसा लगता है की बरसात के मौसम में वह किसी करोड़पति से काम नहीं दिखाई देता है । कुछ जुगाड़ू किस्म के मानव एक ही छतरी में दो दो शरण ले लेते हैं उस भावनाओं के साथ गीत को गुनगुनाते हुए 'मेरी छतरी के नीचे आजा क्यों भीगे रे' कमल खड़ा खड़ा । 'बरसात के दिनों में छाता गुम होने का, भूलने का टेंशन सर पर लगातार ख़तरे की तरह मंडराता रहता है जिसके चलते कभी भी दुर्घटना घट सकती है ? नजर हटी दुर्घटना घटी घर पहुंचते ही पत्नी के हाथों डांट मिली । बरसात की दिनों में सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि, बरसात के मौसम में बाजार जाते समय अगर छाता ले जाना भूल गए या वापसी लाना भूल गए तो पत्नी के गुस्से का शिकार होना पड़ता है फिर बरसात के मौसम में भजिया, मिर्ची, आलू बड़े खाने का जो ख्वाब हमने देखा था वह टूटकर बिखर जाएगा अतः सावधान रहे सुरक्षित रहें छाता , बरसात और पत्नी के बीच तालमेल मिलकर जीवन का आनंद इन फुहारों के बीच लेते रहे इसलिए अरे चुन्नी बाबू तुम क्या जानो बरसात के मौसम में छाते का महत्व ।

दृष्टिकोण

अजय प्रताप तिवारी

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

किसानों की आमदनी क्यों नहीं बढ़ती

लिहाजा लंबे समय से केंद्र सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है, परंतु अभी तक अपेक्षित सफलता मिल नहीं पाई है। कृषि उपज लागत में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी इस दिशा में एक बड़ी समस्या है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की रिपोर्ट से पता चलता है कि कृषि उत्पादन से किसानों की कमाई घटी है और किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। भारत में सबसे ज्यादा दिक्कत लघु और सीमांत किसानों को रहती है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से किसानों के हालत में सुधार तो हुआ है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है। कृषि उपज लागत बढ़ने, अत्याधिक श्रम शक्ति और पैदावार कम होने से किसानों की आय और व्यय का संतुलन बिगड़ रहा है।

देश की अर्थव्यवस्था उद्योगों और व्यवसायों से ही नहीं, खेती-किसानी से भी संचालित होती है।किसानों की खेती बाड़ी के प्रति बढ़ती उदासीनता कृषि क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है।हालांकि सरकारें किसानों की दोगुनी आय बढ़ाने को लेकर काफी उत्साहित दिख रही हैं। नवगठित सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को बीस हजार करोड़ रूपया आवंटित किया है इससे 9.3 करोड़ किसानों को लाभ मिलेगा। आज जिस तरह से कृषि के उपज लागत में बेतहाशा वृद्धि हो रही है इसके समाने यह मामूली सी राशि क्या किसानों को राहत दिला पायेगी।किसान की आय दोगुना करने वाली कमेटी ने अनुमान लगाया था वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए किसानों की आय में प्रति वर्ष 10.4 प्रतिशत की वृद्धि करना होगा।जब की सरकारी सर्वे बताते हैं की किसानों के आय में कुल वार्षिक वृद्धि मात्र 2.8 प्रतिशत है।

लिहाजा लंबे समय से केंद्र सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है, परंतु अभी तक अपेक्षित सफलता मिल नहीं पाई है। कृषि उपज लागत में हो रही बेतहाशा वृद्धि भी इस दिशा में एक बड़ी समस्या है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण की रिपोर्ट से पता चलता है कि कृषि उत्पादन से किसानों की कमाई घटी है और किसानों पर कर्ज का बोझ बढ़ रहा है। भारत में सबसे ज्यादा दिक्कत लघु और सीमांत किसानों को रहती है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार के प्रयासों से किसानों के हालत में सुधार तो हुआ है, लेकिन अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है। कृषि उपज लागत बढ़ने, अत्याधिक श्रम शक्ति और पैदावार कम होने से किसानों की आय और व्यय का संतुलन बिगड़ रहा है।

फसल की पैदावार कम और लागत बढ़ने से किसान हमेशा कर्ज में डूबे रहते हैं। किसानों के पास आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं होता, जिसका दुष्प्रभाव अनकी समग्र आर्थिकी पर दृष्टिगोचर होता है। लघु एवं सीमांत किसानों के जोत का आकार छोटा होने के कारण उन्हें तकनीकी लाभ नहीं मिलने से श्रम लागत बढ़ जाती है। इस कारण से किसानों की आय बढ़ने के बजाय कुल कृषि लागत बढ़ जाती है। यदि हम पिछले दस वर्षों के कृषि आय का आकलन करें तो किसानों की आय में काफी बदलाव आया है। कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट के आधार से देखा जाए तो किसानों की न्यूनतम आय आठ प्रतिशत तक बढ़ी है, जबकि वास्तविक आय 3.5 प्रतिशत ही बढ़ी है।

इस प्रकार किसानों की कुल न्यूनतम आय को बढ़ाना एक बहुत बड़ी चुनौती है।

वर्ष 2017 में केंद्र सरकार ने देश के किसानों की आय को दोगुना करने का उद्देश्य निर्धारित किया, जिसके तहत किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना था। वर्ष 2022 तक यह लक्ष्य तय किया जाना था। हालांकि इस दिशा में व्यापक प्रयास भी किए गए और किए जा रहे हैं, परंतु किसानों की आय को दोगुना इतना आसान भी नहीं है।

इसके समक्ष कई चुनौतियां भी हैं, जिस ओर ध्यान देना होगा। जैसे कृषि संसाधनों की बढ़ती लागत, उर्वरक, बीज और कीटनाशक की बढ़ती कीमतें, अनियमित वर्षा, जलवायु परिवर्तन से संबंधित घटनाओं की पुनरावृत्ति फसल उत्पादन को पूरी तरह से प्रभावित करती हैं। वहीं अधिकांश कृषि सिंचाई कर निर्भर होने और समुचित सिंचाई प्रबंधन न होने से कृषि उत्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ता है। किसानों में नवीन कृषि तकनीकी शिक्षण-प्रशिक्षण का अभाव है। अधिकांश किसानों के पास फसल बोआई के समय पर्याप्त तात्कालिक ऋण लेने का विकल्प और कोई वित्तीय सहायता न होने से कृषि कार्य में देरी होती है जिससे कृषि उपज घट जाता है। वैसे सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आर्गेनिक कृषि, मोबाइल एप और आपदा सहायता जैसी योजनाएं चलाई गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उचित क्रियान्वयन नहीं होने से किसानों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है।

भारत में कुल कृषि योग्य भूमि का 67 प्रतिशत भाग ऐसे किसानों के पास है जिनके जोत का आकार एक हेक्टेयर से भी कम का है। ऐसे में कृषि से संबंधित योजनाओं और नीतियों को बनाते समय लघु एवं सीमांत किसानों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इन किसानों के जोत का आकार छोटा होने के कारण इन्हें तकनीकी और कृषि यंत्रों का समुचित लाभ नहीं मिल पाता है, जिस कारण से श्रम और समय अधिक लग जाता है, जबकि इन किसानों की आय में कोई वृद्धि नहीं हो पाती है। लघु एवं सीमांत किसान को पूरी तरह से कृषि पर निर्भर न रहें, इसके लिए इन्हें पशुपालन, बागवानी एवं गैर कृषि व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ठोस योजना बनाई जानी चाहिए।

वक्रोक्ति

मोहन वर्मा

ये छद्म बुद्धिजीवी

वे तथाकथित लेखक हैं । अब लेखक है तो निश्चित ही प्रगतिशील सोच वाले ही होंगे, ठीक ही सोचा आपने। क्योंकि राष्ट्रवादियों को लोग लेखक ही कहां मानते है। जिस रंग में वे रंगे है उसमें वे पूरी तरह डूबे भी है और अपने फन में माहिर भी हैं। हमारे मालवा में एक बात आमतौर पर बोली जाती है - जो होता है वो दिखता नहीं और जो दिखता है वो होता नहीं। महाशय जी जो है वो दिखते नहीं और दिखते है वो हैं नहीं। उन्हें छद्म बुद्धिजीवी भी कहा जा सकता है

छद्म बुद्धिजीवी उन्हें कहा जाता है जो दो मुंहे होते है। जो होते कुछ और है दिखते कुछ और है। वे अपने लेखन में जिन गरीब,सर्वहारा और किसानों की बात करते है, उनकी उपरी कमाई का जरिया वही वर्ग है। कहने को वे महिला सशक्तिकरण, अबला को सबला बनाने की बात करते है मगर मौके पर चौका लगाने की उनकी फितरत देखकर लोगों ने उन्हें रंगीला रतन की उपाधि से नवाजा हुआ है। ईश्वर को वे मानते नही है मगर ये जरूर मानते है कि साहित्य और राजनीति जैसे गुण उनमें जन्मजात है। खुद में आत्ममुग्ध उनका मानना है कि नई पीढ़ी को साहित्य का सा भी नहीं आता। वे नए लेखकों को हिकारत से देखते है और सोचते हैं- क्यों अपना वक्त बर्बाद कर रही है ये पीढ़ी..वरिष्ठों में भी कुछ अपवादों को छोड़कर वे उनके लेखन को भी दोयम दर्जे का मानते है। कहा जा सकता है वे पक्के आलोचक भी हैं ।

अपनी विचारधारा से आदतन वे हर चीज,व्यवस्था और तंत्र में ढेर सारी खामियां देखते है,यहां यह ठीक नहीं, वहां वह ठीक नहीं, अफसर काम नहीं कर रहे है लोग परेशान है, हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है,ये बात दिगर है कि अपनी सरकारी नौकरी में गरीबों की जेब काटकर भ्रष्टाचार के आरोप में निलंबन काट चुके वे इन दिनों लूप लाइन में है। उनके पास हर चीज की खामियां है समस्याएं हैं मगर समाधान नहीं है स्वभावतह रसिया प्रवत्ति के होने से इन दिनों उनकी रुचि कविता की जगह कविता में ज्यादा है और इसीलिए कहानीकार उन पर अपनी कहानियां लिखने में लगे है। वैसे कहानीकार पर भी लोग इन दिनों व्यंग्य कविता लिख रहे है और श्रोता दोनों के साहित्य में साहित्य ढूंढ रहे है मगर वहां साहित्य की जगह राजनीति मिल रही है।

ये समय चांद पर थूक कर सेल्फी लेने का है। खुद को खुदा साबित करने का है। दूसरों को बौना बताने का है। खुद की लकीर बड़ी करने की जगह दूसरों की लकीर मिटाने का है। दूसरों को आलू प्याज बताने वाले खुद ये नहीं देख पा रहे है कि खुद कैसे बेपेंदी सा यहां वहां डोल रहे है। सोशल मीडिया के इस समय में सभी ज्ञानी और समझदार है ये बात छद्म बुद्धिजीवियों को कैसे समझाई जाए कोई बताए....

पुस्तक समीक्षा

सुरेश उपाध्याय

समीक्षक

हिंदी सिनेमा के कुछ चर्चित हस्ताक्षरों से परिचित कराती पुस्तक

'हिंदी फिल्मों की हस्तियां' डॉ. रमेशचंद्र की हाल ही में बोधि प्रकाशन, जयपुर से प्रकाशित पुस्तक है. हिंदी सिनेमा के इतिहास के एक हिस्से के कुछ प्रमुख नायक, नायिका, गीतकार, गायक व संगीतकार के परिचय की एक झलक इस पुस्तक से मिल सकती है. 40 के दशक से 80 के दशक तक अर्थात् लगभग पांच दशक की फिल्मों, उसके गीत व उसके संगीत को इसमें संदर्भित किया गया है. मूक फिल्म से लेकर बोलती फिल्म व श्वेत श्याम से लेकर रंगीन फिल्म तक के उद्धरण इसमें देखे जा सकते हैं. इन कलाकारो के संक्षिप्त परिचय, उनकी पृष्ठभूमि, उनके संघर्ष, जीजिविषा, उनके उत्कर्ष के बारे में जानकारी इसमें समेकित है. कुछ नायकों के फिल्म निर्माण के क्षेत्र में प्रवेश पर अर्जित चल-अचल सम्पत्ति के खो देने, आर्थिक संकट झेलने, दुर्दिन देखने के किस्सो के साथ मुट्ठीभर मित्रो के मदद के दृष्य (संवेदना व मनुष्यता) भी देखे जा सकते हैं. नायक नायिकाओ की भूमिका पर संक्षिप्त टिप्पणी के साथ कालक्रम अनुसार (क्रोनोलोजिकल आर्डर) में उनकी फिल्मो, उन पर फिल्माए गए चर्चित गानो के मुखडे भी इस पुस्तक में दर्ज हैं तो उनके परस्पर प्रेम सम्बंधो को लेकर प्रचलित धारणो का उल्लेख भी है. इन कलाकारो में से कुछ से सम्बंधित क्षेत्रीय सिनेमा यथा भोजपुरी, तमिल आदि की कुछ फिल्मो व गानो का भी उल्लेख किया गया है. लेखक ने इनमें से कुछ के पुत्र ङ्क पुत्रियो के इन्ही क्षेत्र में योगदान को भी रेखांकित किया है.

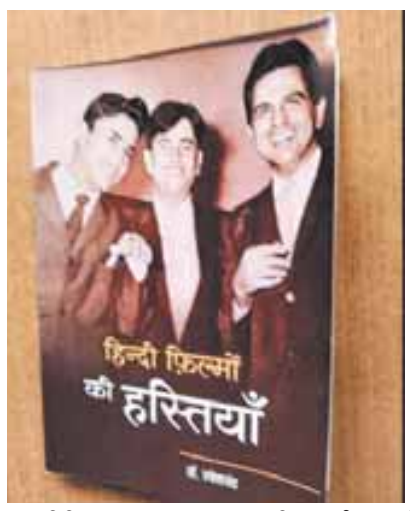

रंजन, श्याम, चंद्रमोहन, मोतीलाल, जयराज, भारत भूषण, दिलिपकुमार, राजकपूर, नरगिस, मीनाकुमारी, मधुबाला, वैजयंती माला, देवानंद, भगवान दादा को नायक नायिका के तौर पर सम्मिलित किया गया है तो लता मंगेश्कर, मोहम्मद रफी को पार्श्व गायक, शैलेंद्र, राजेंद्र कृष्ण, साहिर लुधयानवी को गीतकार तथा शंकर जयकिशन, चित्रगुप्त, सी अर्जुन को संगीतकार के तौर पर सम्मिलित किया गया है. हिंदी फिल्म उध्योग के अन्य क्षेत्र यथा कहानी लेखन, संवाद लेखन, निर्देशन, नृत्य निर्देशन आदि के ख्यातनाम लोगो को भी इसमें सम्मिलित कर लिया जाता तो यह पुस्तक हिंदी फिल्म की पांच दशक के इतिहास की एक झलक का रुप ले सकती थी. वैसे इन पांच दशक के नायक, नायिका, गीतकार, संगीतकारो में भी कई नाम छूटे हैं. सम्भवत- लेखक ने अपनी पसंद को वरियता दी है और यह स्वाभाविक भी है. लेखक ने भी इसे स्वीकार करते हुए अपनी सीमाओ का उल्लेख किया है. लेखक की एक टिप्पणी ' फिल्म की असफलता कलाकार की असफलता नही होती है, उसके अनेक कारण हो सकते हैं' से सहमत होते हुए भी फिल्म की सफलता - असफलता का पैमाना क्या है ?, इस पर मतभिन्नता हो सकती हैं. एक अन्य टिप्पणी ' दर्शक एक बार दिलीपकुमार और राजकपूर को भले ही भूल जाए देवानंद को भूलाना कदापी सम्भव नही है' यह देवानंद के प्रति लेखक का अतिरिक्त लगाव का निष्कर्ष हो सकता है. सब दर्शको की राय इस पर अलग अलग हो सकती है.

भाषा के संदर्भ में कुछ वाक्य अधुरे रह गए है तथा फ्रुफ की भी कुछ त्रुटिया अनदेखी रही है, साहिर लुधियानवी से सम्बंधित यह वाक्य 'अमृता प्रीतम के घर के लोगो को साहिर पसंद नही करते थे. इसका कारण था एक तो साहिर मुस्लिम थे और दूसरा गरीब' (पे न. 135), इसके स्थान पर अमृता के घर के लोग साहिर को पसंद नही करते थे, होना चाहिए.. फिल्म, फिल्मी गीत, संगीत, नायक, नायिका, गीतकार, संगीतकार के रुप में कुछ चर्चित व ख्यातनाम कलाकारो की जानकारी देती यह एक अच्छी पुस्तक है. लेखक के अथक प्रयास इनके संग्रह में दिखाई देते हैं तथा उनके स्मृति व स्मरण शक्ति का भी इसमें बड़ा योगदान है. इस क्षेत्र के रुचीवान दर्शको व पाठको के लिए यह पुस्तक संदर्भ के रुप में उपयोगी हो सकती है. डा. रमेशचंद्र की इस पुस्तक समेत कहानी, लघुकथा, व्यंग्य, यात्रा संस्मरण पर ग्यारह पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है. मैं इस पुस्तक के प्रकाशन पर उन्हे बधाई देता हूँ तथा विश्वास करता हूँ कि पाठक इसे पसंद करेंगे तथा इसका व्यापक स्वागत होगा.

पुस्तक - हिंदी फिल्मों की हस्तियां
लेखक - डॉ. रमेशचंद्र
प्रकाशक - बोधि प्रकाशन, जयपुर
मूल्य - रू 200/-

चिकित्सा शिक्षा

प्रमोद भार्गव

लेखक/पत्रकार

बिहार में भी हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

बिहार सरकार हिंदी में चिकित्सा शिक्षा में स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम अगले सत्र से शुरू करने जा रही है। मध्य प्रदेश के बाद इस तरह की पहल करने वाला बिहार दूसरा राज्य है। मध्यप्रदेश में तो एमबीबीएस का एक बैच पास करके निकल भी चुका है। अब बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई करने का विकल्प छात्रों को मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जल्द पाठ्य पुस्तकें तैयार करने का भरोसा दिया है। हिंदी को वैश्विक भाषा के रूप में स्थापित करने में ऐसे उपाय लाभदायी होंगे। ऐसा इसलिए भी किया गया है, जिससे बिहार में हिंदी माध्यम से पढ़ाई कराने वाले जो 85 हजार सरकारी विद्यालय हैं, उनसे पढ़कर आने वाले छात्रों को चिकित्सा शिक्षा हासिल करने का अवसर मिल जाए।

एमबीबीएस की हिंदी माध्यम से पढ़ाई सामाजिक न्याय के साथ समाज को भाशाई धरातल पर उन्नत व विकसित करने की बड़ी पहल है। विश्व के ज्यादातर देश अपनी मातृभाषाओं में चिकित्सा, अभियांत्रिकी एवं अन्य विज्ञान विषयों की पढ़ाई करते हैं। रूस, चीन, यूक्रेन में जाकर जो बच्चे एमबीबीएस करके आते हैं, उन्हें पहले एक वर्ष इन देशों की मातृभाषा ही पढ़ाई जाती है। जापान और जर्मनी में भी यही पद्धति लागू है। चीन और जापान की भाषाएं चित्रात्मक लिपि में लिखी जाने के कारण अत्यंत कठिन मानी जाती हैं। कुछ इसी तरह की लिपि प्राचीन नगर मोहनजोदड़ों और हड़प्पा की भाषाओं की है। बावजूद मेधावी भारतीय छात्र इन भाषाओं में एक साल के भीतर ही परंगत हो जाते हैं। ऐसे में हिंदी भाषा में पढ़ाई छात्रों में स्वत्व की भावना पैदा करेगी। जिस तरह से दूसरे विकसीत देशों में ज्ञान, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्रों में शोध व आविष्कार अपनी भाषाओं के माध्यम से होते हैं, भारत में भी कालांतर में यह स्थिति बन जाएगी। अभी तो हालात ये हैं कि एमबीबीएस और इंजीनियरिंग में जो छात्र मातृभाषाओं में पढ़कर आते है, उन्हें अंग्रेजी नहीं आने के कारण मानसिक प्रताड़ना की ऐसी स्थिति से गुजरना होता है कि आत्महत्या तक को विवश हो जाते हैं। दिल्ली एम्स में अनिल मीणा नाम के एक छात्र ने सुसाइट नोट में यह लिखकर आत्महत्या की थी कि मेरी समझ में अंग्रेजी नहीं आती है और शिक्षक व मेरे सहपाठी मेरी मदद भी नहीं करते हैं। आईआईटी जैसे संस्थानों में भी कस्बाई इलाकों से आने वाले छात्रों को ऐसे ही हालातों से दो-चार होना पड़ता है। अतएव देर आए, दुरुस्त आए कहावत चिकित्सा शिक्षा में लागू होती है।

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के माध्यम से विज्ञान की शिक्षा दी जाए इस दिशा में गृहमंत्री अमित शाह अहम् भूमिका निभा रहे हैं। चिकित्सा शिक्षा की हिंदी माध्यम की पुस्तकें मध्यप्रदेश में तैयार कराकर एक बैच इनसे पढ़कर एमबीबीएस कर भी चुका है। यही पुस्तकें बिहार में सहायक हो सकती हैं। देश में इंजीनियरिंग की पढ़ाई को आठ भारतीय भाषाओं में कराने की मंजूरी पहले ही दी जा चुकी है। भारत में हर तरह की उच्च और तकनीकी शिक्षा का माध्ययम अंग्रेजी है। नतीजतन भारतीय समाज में ऐसी धारणा बन गई है कि हिंदी माध्यम से पढ़ाई की तो उत्तम दर्जे के रोजगार हासिल करना असंभव है, इसलिए जैसे ही परिवार का मुखिया आर्थिक रूप से सक्षम होता है। अपने नौनिहालों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा दिलाने का प्रबंध कर देता है। इस कारण एक तरह से बच्चे न केवल अपनी भाषा से दूर होने लगते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक विरासत से भी उनकी स्वाभाविक रूप में दूरी बढ़ने लगती है। इसीलिए आजादी के बाद से ही भारतीय भाषाओं को विज्ञान व तकनीक विषयों के माध्यम बनाए जाने की कोशिशें की जाती रही थीं। लेकिन नौकरशाही की दहलीज पर जाकर सभी कोशिशें दम तोड़ देती थीं। किंतु मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह चैहान और अब नीतीश कुमार ने हिंदी माध्यम से डॉक्टरी कराने का संकल्प ले लिया है।

इस शुरुआत के बाद राष्ट्रबोध से प्रेरित अनेक चिकित्सक हिंदी में पर्चे लिख रहे हैं और छात्र किडनी व लीवर की संरचना हिंदी में जानकर आत्मसंतोष का अनुभव कर रहे हैं। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता डॉ अक्षय निगम का कहना है कि इस नावाचार को पूरी ईमानदारी से करने की जरूरत है। उनका कहना है कि जब हमारे बच्चे चीन, रूस और अन्य देशों में जाकर उनकी भाषा में पढ़ाई कर सकते हैं तो अपनी भाषा में क्यों नहीं पढ़-लिख सकते है। हिंदी तो आज पूरी दुनिया में बोली और समझी जाती है और हमारी अपनी भाषा है। वैसे भी समूचे हिंदी क्षेत्र में छात्रों के लिए हिंदी माध्यम मानसिक रूप से उत्साहित और प्रतिबद्ध करने वाला है। एक तरह से हिंदी के लिए आदर्श वातावरण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केंद्र में जबसे है, तभी से हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के उत्थान और प्रयोग हेतु अनुकूत वातावरण बनाने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। इसी कड़ी में नूतन राष्ट्रीय षिक्षा नीति के अंतर्गात स्कूली शिक्षा हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में देने के प्रावधान किए गए हैं। बावजूद यह विडंबना है कि आजादी के इन 77 सालों में अंग्रेजी का प्रभुत्व कुछ इस तरह से खड़ा किया गया कि समस्त भारतीय भाषाएं शिक्षा और रोजगार से बेदखल होती चली जा रही हैं। यही स्थिति अदालतों, बैंको और अन्य बड़े वाणिज्यिक संस्थानों में है। इसी का परिणाम रहा कि लोगों की यह मानसिकता बेवजह बनती चली गई कि अंग्रेजी के बिना आजीविका के साधन जुटाना मुश्किल है। अंग्रेजी की वकालात करने वालों ने अंग्रेजीयत की इस मंशा को कुछ इस ढंग से रचा कि 77 सालों में इसका रंग गहरे से गहरा होता चला गया। यह अच्छी बात है कि आजादी के इस अमृतकाल में हिंदी विज्ञान की शिक्षा में समरसता एवं सामाजिक न्याय का आधार बन रही हैं।

वैश्वीकरण के दौर में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की अवधारणा महत्वपूर्ण है। गुलामी की लंबी दासता का अभिशाप झेलने के कारण हमने अपनी ज्ञान परंपराओं को नकारा और हम पश्चिमोन्मुखी हो गए। जबकि हमारे यहां विज्ञान और गणित की श्रेष्ठतम परंपराएं थीं। शून्य और दशमलव की अवधारणा दुनिया को भारत ने दी। जिस सूक्ष्म (नैनो) तकनीक के आविष्कार की बात पश्चिमी देश करते हैं, वह भ्रामक हैं। वर्तमान में 400, 500 और 600 काउंट के महीन धागे देखने में आते हैं। लेकिन आजादी के पहले के अखण्ड भारत में ढाका और मुर्शीदाबाद में 2400 और 2500 काउंट का भी धागा बनता था। मात्र एक ग्रेन में 29 गज लंबा धागा। लेकिन जब फिरंगियों ने ढाका में सूती वस्त्रों के निर्माण का औद्योगिक कारोबार षुरु किया तो हाथों से महीन धागा कातने वाले कारीगरों के हाथों के अंगूठे काट दिए, जिससे उनका औद्योगिक विकास निर्बाध गति से परवान चढ़ता रहे।

अक्सर कहा जाता है कि हिन्दी के पास शब्द सामर्थ्य कम है। जबकि हकीकत यह है कि हिन्दी के शब्दकोश में सात लाख शब्दों का भंडार है और संस्कृत में बीस लाख शब्दों का। वृहद संस्कृत-अंग्रेजी शब्दकोश पुणे के डेक्कन कॉलेज में तैयार हो चुका है। इसमें एक-एक अंग्रेजी शब्द के बीस-बीस संस्कृत में पर्यावाची दिए हैं। अभी तक इतना बड़ा षब्दकोश अन्य किसी भाषा में नहीं है। हम जानते है कि संस्कृत ही वह भाषा है, जिससे भारत की अनेक भाषाओं समेत विदेशों की भी कई भाषाओं ने जन्म लिया है। इस शब्दकोश का पहला संस्करण 1976 में छपा था, इस पर आगे भी कार्य जारी है। जबकि अंग्रेजी केवल ढाई लाख शब्दों के कोस के मार्फत भारतीय भाषाओं की सिरमौर बनी बैठी है। यह देश और संविधान का दुर्भाग्य है कि संविधान के अनुच्छेद 19, 343, 346, 347, 350 और 351 में कहीं भी अंग्रेजी की अनिवार्यता का हवाला नहीं है। अनुच्छेद-19 में भारत के सभी नागरिकों को 'अभिवयक्ति की स्वतंत्रता' के तहत अपनी भाषा में विचार व्यक्त करने का मूल अधिकार दिया गया है। यह अभिव्यक्ति संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किसी भी भारतीय भाषा में हो सकती है।' किंतु संविधान द्वारा हासिल यह मूलाधिकार उच्च और सर्वोच्च न्यायालयों के दरवाजे पर जाकर ठिठक जाता है।

मुन्ना मानकर बने क्षत्रिय लोणारी कुंबी समाज सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष

समाज को संगठित करने और विकास के लिए हुए कटिबद्ध

बैतूल। बैतूल जिले की बहुसंख्यक कुंबी समाज का अपना विशेष महत्व है। सामाजिक और राजनीतिक तौर पर इस समाज का कोई सानी नहीं। जानकारी के अनुसार क्षत्रिय लोणहारी कुनबी समाज के सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष की कमान मुन्ना मानकर को सौंप दिया गया है। रविवार शाम को समाज के गौठाना स्थित शिवाजी पार्क में आयोजित एक विशेष बैठक में यह दायित्व मुन्ना मानकर को सोपा गया, जिसमें समाज के वरिष्ठ, कनिष्ठ और युवा वर्ग शामिल थे। क्षत्रीय लोनहारी कुंबी सेवा संगठन के इस विशेष कार्यक्रम में जहां पूर्व अध्यक्ष शिवशंकर चढ़ोकर के कार्यकाल के समापन पर उन्हें सम्मान ब विदाई दी गई, वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। समाज के जिला अध्यक्ष जैसे नई जिम्मेदारी का दायित्व संभालते हुए श्री मानकर ने कहा कि वे गरीब तबके की आर्थिक दशा को सुधारने और युवा वर्ग को संगठित करने का कार्य, उनकी प्राथमिकता में शामिल है। लगभग 35 वर्षों से समाज सेवा संगठन काम कर रहा है। मुन्ना मानकर आठवें जिला अध्यक्ष हैं। समाज

के युवा वर्ग में अच्छी खासी अपनी पकड़ रखने वाले श्री मानकर विगत 3 वर्षों से उपाध्यक्ष का दायित्व निभा रहे थे। पूर्णत- सनातनी श्री मानकर कभी धार्मिक आयोजनों में पीछे नहीं रहे । जानकारी के मुताबिक वे गौरी पुत्र गणेश उत्सव समिति के अध्यक्ष रहते हुए विगत 7 सालों से पुराना बच्चा जेल के सामने आयोजित धार्मिक आयोजनों में अपना योगदान दिया वही शिवाजी जयंती हो या हनुमान जयंती अथवा गणेश उत्सव सभी में उनका भरपूर सहयोग समाज को मिला है।वे वर्तमान में मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग कारपोरेशन का भी जिला अध्यक्ष का दायित्व भी संभाल रहे हैं हालांकि वे रियल स्टेट कारोबारी होने के कारण अपना व्यक्तिगत व्यवसाय भी भली भांति सम्हालते हैं।

15 दिवस में नई कार्यकारिणी का गठन- क्षत्रीय लोणारी कुंबी समाज सेवा संगठन की नई जिम्मेदारी को संभालते ही श्री मानकर ने बताया कि वे आगामी 15 दिवस के भीतर नई कार्यकारिणी का गठन करेंगे और उसके बाद एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर शपथ ग्रहण का कार्यक्रम भी किया जायेगा। जिसमें जिले के सभी वर्ग के लोग और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में अपने तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण कर चुके तात्कालिन जिला अध्यक्ष शिव शंकर चढ़ोकार का स्वागत सम्मान किया गया वही नए जिला अध्यक्ष श्री मानकर के प्रति समाज ने आशा व्यक्त किया है कि वे समाज की उत्तरोत्तर विकास के लिए अपनी दायित्व कोअच्छे ढंग से निभाएंगे ।

समाज संरक्षक सहित सदस्यों की रही मौजूदगी- जानकारी के मुताबिक संरक्षक मंडल में सुनील धोटे, मनोज धोटे, पंकज साबले, शिव शंकर चाड़ोकर, प्रकाश धोटे, राजा वागद्रे, आदि मौजूद थे। इसके साथ ही सामाजिक सदस्यों में विशेष रूप से संजय लोखंडे, कृष्णा वागद्रे, उज्जवल पांसे, पप्पू कुंभारे, सुरेंद्र कनाठे, संजय माकोड़े, प्रताप पांसे, बंटी धोटे, डॉ. नितिन देशमुख, भीम धोटे, बी आर पंडाग्रे, कृष्णा पाटणकर, राजेश गावंडे, बब्लू वाघमारे, राहुल वाडुकले, अशोक सतनकर, नितिन बारस्कर, रमेश धोटे, सतीश घोड़की, डॉ. उमाकांत अडलक, रमेश धोटे, ऋषि कुमार माकोड़े, पंकज धोटे, रघुनाथ लोखंडे, कनिष्क मानकर, बी आर कुबड़े, पंजाब राव गायकवाड़ और पार्षदगणों में पार्षद पति बड्डू धोटे, पिंटू महाले, रमेश बारस्कर सहित समाज की महिला पदाधिकारी भी मौजूद थे। इस अवसर पर पार्क में पौधरोपण भी किया गया।

तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे में जा घुसी,बिजली सप्लाई हुई ठप

बैतूल। बैतूल बाजार के पास तेज रफ्तार अनियंत्रित कार बिजली के पोल में जा घुसी जिससे पूरे इलाके की बिजली सप्लाई ठप्प हो गई है। गनीमत यह रही की इतनी जोरदार टक्कर के बावजूद बिजली के तार नही टूटे वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था घटना के बाद पुलिस मौके पर पन्हुची साथ बिजली विभाग के कर्मचारी भी पहुंचे। घटना बैतूल बाजार के बस स्टेंड की है शाम सात बजे की है बैतूल की ओर से एक सफेद रंग की कार आई और बैतूल बाजार नगर में प्रवेश करते ही बस स्टेंड के पास लगे बिजली के ट्रांसफार्मर के पोल में जा घुसी स प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया की कार चालक तेज रफ्तार से कार लेकर आया और उससे कार मुड़ नही पाई और कार सीधे बिजली के पोल में जा घुसी। टक्कर इतनी तेज थी की कार सामने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है इस घटना के बाद बिजली के पोल पर लगे बिजली सप्लाई यंत्र भी टूट गए और ट्रांसफार्मर में भी झटका लगने से इलाके की बिजली सप्लाई बंद हो गई थी। मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के कर्मचारियों ने सुधार कार्य कर बिजली सप्लाई को चालू किया।

पुलिस अभिरक्षा से भागा आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। आरोपी अहाके उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम देशावाडी से 6 जूलाई थाना चोपना के अपराध क्रमांक 218.2024 धारा 4, 6, 9 गोवंश वध प्रतिषेध अधि., 11 (1) क पशु क्रूरता अधि., 4, 6, 7 कृषक पशु परि. अधि. में गिरफ्तार किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ग्राम सिवनपाट नदी के पास पेशाब करने के लिए गाड़ी रूकवाई झटका देकर झाडियो में भागा। जिसे पुलिस ने नदी किनारे झाडियो एवं जंगल में काफी तलाश किया किन्तू आरोपी मन्नू अहाके नही मिला। फरार आरोपी मन्नू अहाके की तलाश गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा अलग-अलग टीम गठित की गई। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर तंत्र का इस्तेमाल करते हुए 7 जूलाई को पुलिस ने को देशावाड़ी से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रानीपुर पुलिस ने सीएम राइज स्कूल घोड़ाडोंगरी में किया साइबर जागरूकता कार्यक्रम

• किया बच्चो को साइबर अपराध के प्रति जागरूक

बैतूल। आज सोमवार 8 जुलाई को चौकी प्रभारी घोड़ाडोंगरी उप निरीक्षक आम्रपाली द्वारा घोड़ाडोंगरी सी एम राइस स्कूल में कक्षा 11वीं एवं कक्षा 12वीं के छात्र एवं छात्राओं के साथ साइबर क्राइम,साइबर बुलीइंग, साइबर फ्रॉड के संबंध में चर्चा की गई, साइबर क्राइम से बचने के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए .सोशल मीडिया का सावधानी से उपयोग करने के संबंध में चर्चा की गई .तथा छात्र एवं छात्राओं को महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध एवं कानूनी प्रावधानों के संबंध में बताया गया साथ ही भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के संबंध में भी चर्चा की गई .जागरूकता कार्यक्रम मे लगभग 175 छात्र एवं छात्राएं स्कूल के प्रिंसिपल श्री विवेक तिवारी तथा स्कूल के अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित थे.

सर्प मित्र ने गांव में निकले विशालकाय कोबरा सांप का किया रेस्क्यू

बैतूल। शहर के समीपस्थ जामठी में एक रोमांचक घटना घटी, जब वन स्नेक कैचर विशाल विश्वकर्मा ने एक विशालकाय कोबरा सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। स्थानीय लोगों ने कोबरा सांप की सूचना सर्प मित्र को दी। सूचना मिलते ही सर्प मित्र विशाल विश्वकर्मा टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने देखा कि विशालकाय कोबरा सांप घर झाड़ियों अंदर फंसा हुआ है और डरा सेहमा हुआ। सर्प मित्र विशाल ने तुरंत कुशलतापूर्वक सांप को पकड़ा और उसे सुरक्षित स्थान पर ले गए। रेस्क्यू अभियान में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सौभाग्यवश, सांप को किसी प्रकार की चोट नहीं आई थी। और उसने किसी को नुकसान भी नहीं पहुँचाया बाद में सांप को उसकी प्राकृतिक आवासस्थली में छोड़ दिया गया। स्थानीय लोग स्नेक रेस्क्यू टीम की त्वरित कार्रवाई से बहुत खुश थे। उन्होंने टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी वजह से सांप की जान बच गई। सर्प मित्र विशाल विश्वकर्मा ने रेस्क्यू के बाद लोगों से अपील की कि यदि वे कभी भी किसी सांप को देखते हैं, तो उसे परेशान न करें और तुरंत वन विभाग या स्नेक रेस्क्यू टीम को सूचित करें। यह घटना हमें सिखाती है कि वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील रहना और उनकी सुरक्षा के लिए मिलकर काम करना कितना महत्वपूर्ण है।

कोल कर्मी की गर्दन पर तलवार रखकर स्टोर में घुसे डकैत

सुरक्षाकर्मी की बंदूक छीनकर लूट ले गए कॉपर केबल

बैतूल। सारनी वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा क्षेत्र में चोर, बदमाशों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। इससे कोयला कर्मियों में दहशत का माहौल है। खास बात यह है कि इसकी जानकारी पुलिस विभाग और डब्ल्यूसीएल प्रबंधन को होने के बावजूद कोयला कर्मियों को भयमुक्त करने कोई खास पहल नहीं की जा रही। इससे ट्रेड यूनियन लीडरों और कोल कर्मियों में प्रबंधन और पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। बीती रात पाथाखेड़ा की तवा वन कोयला खदान पर 15 से 20 की संख्या में हथियारबंद नकाबपोश बदमाशों ने हमला बोल दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले चोरों ने खदान परिसर में धावा बोला। फिर अरविंदो कंपनी के स्टोर और वर्कशॉप पर धावा बोलने की कोशिश की। लेकिन वहां सुरक्षा कर्मियों की मौजूदगी होने पर बदमाशों ने डब्ल्यूसीएल

के एक सुरक्षा कर्मी की गर्दन पर तलवार अड़ा दी और गेट खोलने को कहा। नहीं खोलने पर मारने की धमकी दी। बताया जा रहा है की वारदात के दौरान बदमाशों ने कट्टे से फायरिंग की। इतना ही नहीं निजी सुरक्षा कर्मी की बंदूक तक छीन लेने की खबर है। जिसे वारदात को अंजाम देने के बाद वापस लौटा भी दी गई।

कापर केबल ले गए चोर: प्राप्त जानकारी के अनुसार तवा वन खदान से चोरों ने एलएचडी केबल, समर्शीबल और पॉवर केबल पर हाथ साफ किया। जिसकी कीमत लाखों में है। खासबात यह है की पहली बार अरविंदो के स्टोर से यह सामान चोरी हुआ है। इससे पहले डब्ल्यू सी एल के विभिन्न स्थानों से चोरी होता रहा है। बताया जा रहा है कि चोरी के डर से डब्ल्यू सी एल द्वारा अरविंदो के स्टोर में सामान रख दिया जाता था। इसकी खबर बदमाशों को लगने पर कट्टे और तलवार की नोक पर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया है। बताया जा रहा है जवाब में डब्ल्यू सी एल सुरक्षा विभाग द्वारा भी फायरिंग की है।

इनका कहना--

खदान में वारदात की सूचना मिली है। मौके का निरीक्षण किया है। एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। इसी के आधार पर चोरों तक पहुंचा जा सकता है।

--अरविंद कुमरे, टीआई, सारणी

अवैध उत्खनन के प्रकरण में बंसल पाथवेज कंस्ट्रक्शन कंपनी पर 1 करोड़ 65 लाख 60 हजार रुपये का अर्थदंड

बैतूल। अवैध उत्खनन के दो अलग-अलग प्रकरणों में न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल द्वारा बंसल पाथवेज कंस्ट्रक्शन कंपनी पर 1 करोड़ 65 लाख 60 हजार रूपये का अर्थदंड के आदेश दिए गए है। इनमें ग्राम परसोड़ा शासकीय भूमि से मुरम का अवैध उत्खनन एवं ग्राम बोदी जुनावानी स्थित निजी भूमि से मुरम का अवैध उत्खनन के दोषी पाए जाने पर अपर कलेक्टर श्री राजीव नंदन श्रीवास्तव की कोर्ट से अर्थदंड से दंडित किया गया है। न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल से दोनों ही प्रकरणों में 1 जुलाई 2024 को अपर कलेक्टर के हस्ताक्षर में आदेश जारी किए गए है।

परसोड़ा की शासकीय भूमि से मुरम अवैध उत्खनन- उल्लेखनीय है कि खनि निरीक्षक बैतूल द्वारा राजस्व अमले के साथ 31.05.2023 को मौजा परसोड़ा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 50 रकबा 5.238 हेक्टेयर मद नाला एवं खसरा नंबर 68 रकबा 1.0805 हेक्टेयर मद नदी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बंसल पाथवेज कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा उक्त खसरा नंबरों की भूमि पर मुरूम खनिज का अवैध उत्खनन करना पाया गया। मौके पर डंपर क्रमांक एमपी 04 एचई 4171 को भी खनि निरीक्षक द्वारा जप्त किया गया था। मौके पर उत्खनित गड्ढों की माप किए जाने पर अनावेदकगणों द्वारा कुल 660 घनमीटर मुरम का अवैध उत्खनन होना पाया गया। प्रकरण की सुनवाई न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल में हुई जिसमें न्यायालय ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18(6) के अनुसार 19 लाख 80 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई।

बोदी जुनावानी में निजी भूमि से अवैध उत्खनन- इसी प्रकार एक अन्य आदेश में दूसरे प्रकरण में 03.09.2023 को मौजा बोदी जुनावानी स्थित निजी भूमि खसरा नंबर 462 में मुरम खनिज के अवैध उत्खनन के मामले में सुनवाई उपरांत न्यायालय अपर कलेक्टर बैतूल द्वारा 1 करोड़ 45 लाख 80 हजार रुपये शास्ति अधिरोपित करते हुए अधिरोपित राशियों को खनिज मद में जमा करने के लिए आदेशित किया गया है। प्रकरण में जप्त शुदा एक चैन माउन्टेड पोकलेन मशीन एवं दो डंपरों की सुपुर्दगी को निरस्त करते हुए अधिग्रहण किया गया है।

वन विभाग की टीम ने रात्रि गश्ती में पकड़ी 43 हजार रुपये की सागौन, आरोपी फरार

सावलमेंढ़ा वन परिक्षेत्र का मामला, जांच के दौरान वाहन से 14 नग सागौन चरपट बरामद

बैतूल। सावलमेंढा वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, वन विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की। यह घटना गत 5 जुलाई की रात लगभग 11ः15 बजे की है, जब वन विभाग की टीम ने सावलमेंढा क्षेत्र में रात्रि गश्ती के दौरान एक संदिग्ध टाटा स्पेसियो प्लस वाहन (एम. एच 40 पी. 2779) को रोका। डीएफओ दक्षिण विजयानन्तम टीआर. के मार्गदर्शन में और वन परिक्षेत्र अधिकारी मानसिंग परते के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में थपोड़ा के परिक्षेत्र सहायक रमेश महस्की के नेतृत्व में गश्ती टीम ने इस वाहन की जांच की। जांच के दौरान वाहन से 14 नग सागौन चरपट बरामद हुए, जिनका अनुमानित मूल्य 43 हजार रुपये है। यह सागौन लकड़ी अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी। वाहन में सवार अज्ञात आरोपी मौके से

फरार हो गया और अब उसकी तलाश जारी है। वन विभाग ने इस मामले में विधिवत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 408/87, 6 जुलाई 2024 को दर्ज कर लिया है और मामले की विवेचना तेजी से की जा रही है। डीएफओ विजयानन्तम टी.आर. ने इस सफल कार्रवाई के लिए गश्ती टीम को बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह की गश्त और सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वन विभाग अवैध गतिविधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाएगा और वन क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

मां ताप्ती को अर्पित होगी 101 धर्म ध्वजाएं, विशेष वेशभूषा में नजर आएंगे भजन मण्डल

बैतूल/मुलताई। सूर्यपुत्री मां ताप्ती के उद्गम स्थल प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी बैतूल विरासत समिति के तत्वाधान में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जा रहा है। 13 जुलाई दिन शनिवार आषाढ़ सप्तमी पर दोपहर 12 बजे मां ताप्ती जन्म उत्सव के अवसर पर बैतूल विरासत समिति द्वारा भव्य ध्वज यात्रा निकाली जाएंगी। बैतूल विरासत समिति के जिला संयोजक राजू अनुराग पवार एवं मुलताई ब्लॉक अध्यक्ष हेमसिंह चौहान ने बताया कि मां ताप्ती जन्म उत्सव के अवसर पर ताप्ती तट के आसपास बसे 101 ग्रामों से धर्म ध्वजा ताप्ती माता के मंदिर लाई जाएगी। इस अवसर पर प्रत्येक ग्रामों से मां ताप्ती के भक्त ध्वज लेकर भव्य शोभायात्रा के रूप में मुलताई पहुंचेंगे।

भगवान श्री गणेश को लेकर कलेक्टर से मिलने पहुंचे मूर्तिकार

नपा ने प्रजापती समाज को आवंटित की थी उपरोक्त भूमि,नपा ले रही शुल्क

बैतूल। कलेक्ट्रेट में आज उस वक्त कौतुहल मच गया जब कुछ लोग भगवान श्री गणेश की मूर्ति लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे जंहा उन्होंने एडिशनल कलेक्टर को ज्ञापन के साथ भगवान श्री गणेश जी की मूर्ति भी सौंपी है। दरअसल अभिन्नदन सरोवर के पास खाली जमीन पर बरसो से मूर्तियां बना कर अपना जीवन यापन करने वालो को नगरपालिका बैतूल बेदखली का फरमान सुनाया है जिसके बाद से प्रजापति समाज अपने काम को लेकर चिंतित है। समाज द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में लिखा है कि समस्त मूर्तिकार मिट्टी की प्रतिमा कई वर्षों से अभिन्नदन सरोवर के पास हम सभी प्रजापति समाज के गण 20 वर्षों से मूर्तियों को गढ़ने का कार्य करते आ रहे है यह जगह हमारी कर्मस्थली है जहां हम व्यवसाय भी करते है।

झमाझम बारिश, खिले किसानों के चेहरे, फसलों के लिए अमृत समान

बैतूल। लंबे इंतजार के बाद सोमवार को तेज बारिश हुई। इससे किसानों के साथ-साथ लोगों के चेहरे खिल गये। पिछले कई दिनों से किसान इसी तरह की बारिश का इंतजार कर रहे थे। 23 जून को बैतूल जिले में मानसून के दस्तक देने के बाद भी तेज बारिश नहीं हो पाई थी। किसान तेज बारिश की आस लगाए हुए थे, किसानों का यह इंतजार सोमवार को कुछ हद तक कम हुआ। सोमवार को अचानक मौसम में बदलाव आया और करीब एक घंटे तक झमाझम बारिश हुई। बारिश से पूरा शहर भी तरबतर हो गया। हालांकि सुबह से मौसम को देखकर ऐसा नहीं लग रहा था कि आज इतनी तेज बारिश होगी, लेकिन 2 बजे के बाद आसमान में काले बादल छा गये और कुछ देर बाद तेज बारिश होना शुरू हो गया। लगभग एक घंटे तक तेज बारिश होने से सड़कों से पानी बहने लग गया। कई जगह सड़कों पर जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। बारिश होने से मौसम में

भी ठंडक घुल गई. हालांकि कुछ दिनों से जिले में केवल रिमझिम और धीमी बारिश ही हो रही थी। इससे जलाशयों में भी पानी नहीं पहुंच पा रहा था। सोमवार को तेज बारिश के बाद नदी और जलाशयों में भी पानी पहुंचेगा।

फसलों को मिलेगा फायदा - तेज बारिश से फसलों को भी फायदा होगा। किसान इसी तरह झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे थे। किसानों के मुताबिक यह बारिश फसलों के लिए अमृत समान है। अच्छी बारिश होने के बाद फसलों की भी तेजी से ग्रोथ होने लगेगी। कम पानी के कारण फसल की अच्छी ग्रोथ नहीं हो पाई थी। किसान चिंतित थे, लेकिन सोमवार को बरसे बादलों के कारण किसानों के चेहरे खिल गए है। किसानों का कहना है कि इसी तरह बारिश की फसलों को अभी जरूरत है। पर्याप्त पानी मिलने से फसलों को फायदा पहुंचेगा और उत्पादन भी बेहतर होगा।

मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट, इन जिलों में होगी अति भारी वर्षा- जिले में फिर बारिश का अलर्ट रू मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान बैतूल समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने का अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे के दौरान बैतूल, हरदा, छिंदवाड़ा, सिवनी, नर्मदापुरम सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह मंगलवार सुबह 8 बजे तक का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार अभी वर्तमान में 7 तरह के सिस्टम बन रहे है। जिससे आगामी समय बारिश होने की संभावनाएं है।

पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अधिक बारिश - बैतूल में 182.4 मिमी बारिश रू जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में बारिश होने के कारण अब औसत बारिश का आंकड़ा तेजी से आगे बढ़ रहा है। रविवार शाम से सोमवार सुबह 8 बजे तक बैतूल में 0.1, मुलताई 5.7, आमला 11.0, आठनेर 28.3, भीमपुर 20.0 मिमी बारिश दर्ज की है। इस तरह से जिले में अब तक कुल 182.4 मिमी बारिश हो चुकी है। पिछले वर्ष के बारिश के आंकड़े पर नजर डाला जाए तो 152.6 मिमी बारिश हुई थी। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अधिक बारिश हुई है। सोमवार दोपहर को हुई बारिश के बाद बारिश के आंकड़े में और बढ़ोत्तरी हुई है।

निर्मल आनंद कसे कुर्सी

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

क से कुर्सी। जीवन के ककहरा की शुरुआत कुर्सी से होती है। सबका लक्ष्य कुर्सी होती है। चेयर रेस असली खेल है जिसमें कुर्सी हथियाने में जरा सी देर करने पर गेम से बाहर होना पड़ता है। कुर्सी चार पायों पर स्थित ऐसा आसन है जिसमें पीठ टिकाने का भी इंतजाम होता है। इसकी लोकप्रियता केवल आरामदायक आसन होने की वजह से ही नहीं है। आराम तो बोनस है, कुर्सी के साथ जो अथारिटी मिलती है, उसकी अनुभूति बड़ी सुखदायी होती है। इस अथारिटी के एहसास की लत बड़ी जल्दी लगती है। एक बार इसकी आदत हो गई तो ताउम्र छूटती नहीं। कुर्सी का नशा इतना ज़बरदस्त होता है कि उसे छुड़ाने का सेंटर आज तक नहीं बन सका है।

पूरी दुनिया में कुर्सी के मोह का कमाल देखने को मिल जाता है। एक बार विदेश यात्रा में देखने को मिला कि किसी लोकसेवक की कुर्सी के दो पाये टूट गए हैं तो कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा लाकर उस पर कुर्सी को टिका दिया गया है। जरूर कुर्सी में कोई खास बात होती होगी जिस पर बैठे रहने के लिए इतनी जुगाड़ लगाई जाती है। ईंटों पर रखी हो या काँटों पर, बस कुर्सी होनी चाहिए। असल करिश्मा आदमी का नहीं, कुर्सी का होता है, जिस पर बैठते ही प्यादा फरजी हो सकता है। इंसान वही होता है, कुर्सी उसकी हैसियत तय करती है।

कुर्सी अरबी शब्द है। इसके आने से पहले हमारे यहाँ आसन मौजूद था। सिंह की मूर्ति लगा आसन सिंहासन होता था जिस पर शासक विराजते थे। सिंह शक्ति का प्रतीक है और सिंहासन शक्तिसंपन्नता का। अंग्रेजी में भी चेयर का रुतबा और ललक जरा भी कमतर नहीं है। पुरुष की प्रधानता कमजोर हुई तो चेयरमैन का चेयरपर्सन हो गया लेकिन चेयर जहाँ की तहाँ डटी रही। कुर्सी स्त्रीलिंग है इसलिए 'नारि न मोह नारि के रूपा' वाले सिद्धांत का पालन करते हुए उसने चेयरवुमन को अवतरित नहीं होने दिया। कुर्सी किसे नहीं चाहिए? एक बार मिल गई तो उससे उठना कौन चाहता है? ऐसे लोगों को चिराग लेकर ढूँढना पड़ेगा, फिर भी वे मिल जाएँ, गारंटी नहीं। आपके पास भी कोई न कोई कुर्सी होगी, घर-परिवार, मोहल्ले, समाज या और कहीं नहीं तो अपने मन के साम्राज्य में जरूर किसी आसन पर विराजते होंगे, सो सतर्क रहिए, कुर्सी सँभालिएगा, क्योंकि सावधानी हटी कि दुर्घटना तो घटने के लिए उधार बैठी ही रहती है।

सन् 1977 में उस समय के सांसद और निर्देशक अमृत नाहटा ने बॉलीवुड में 'किस्सा कुर्सी का' सुनाया तो प्रतिबंध के शोर ने उसे दबा दिया। प्राचीन भारत में 'सिंहासन बत्तीसी' की कथाएँ जरूर खूब सुनी और सुनाई गईं। क्यों न हो, बत्तीस सुंदर पुतलियाँ कहानियाँ सुनाएँगी तो सुनने वालों की भीड़ लगेगी ही।

जनाब अब्दुर्रहीम खान-ए-खाना साहब का पूरा सम्मान करते हुए और क्षमायाचना सहित, ताजिंदगी कुर्सी की मिजाजपुर्सी करनेवाले आलिमों की सलाह है कि हे जन, कुर्सी सँभालिए बिन कुर्सी सब सून, कुर्सी बिना न सोहते मंत्री अफसर प्यून।

कुर्सी आसन सीखिए। दंडवत मुद्रा में समय बितानेवालों को इसकी शीघ्र सिद्धि हो जाती है। हाथों को सामने की ओर लंबा फैलाएँ, घुटनों से कमर तक की हड्डी को जमीन के समानांतर और बाकी शरीर को समकोण में रखते हुए कुर्सी आसन का नियमित अभ्यास कुर्सी पर जमे रहने के लिए बहुत फायदेमंद है। बिना देरी किए दौड़िए, ज़िंदगी की चेयर रेस जारी है।

पीजी कॉलेज में पौधारोपण एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन हुआ

धार। पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस एस बघेल एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ गजेन्द्र उज्जैनकर के मार्गदर्शन में सोमवार को महाविद्यालय में स्थित बगीचे की साफ-सफाई एवं प्राध्यापकों के द्वारा श्रमदान किया गया। साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया । प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को बताया कि पर्यावरण के प्रति सचेत रहना बहुत जरूरी है, पर्यावरण को संतुलित बनाए रखना हर मानव का कर्तव्य होना चाहिए बिना कहे हम पर्यावरण को साफ स्वच्छ और बहुत ही अच्छा बनाकर रखें यह हमारा प्रथम कर्तव्य है। वनस्पति शास्त्र के प्राध्यापक डॉ. एन एस सोलंकी , डॉ. के एस अलावा, डॉ. सुभाष सोनी, डॉ. एन एस डावर एवं वनस्पति शास्त्र के छात्राओं द्वारा बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। कैंपस में इमली, आम, जामुन, बास, सागवान, शीशम इत्यादि पौधो का रोपण किया गया। वही समाज कार्य विभाग द्वारा भी पौधारोपण किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक सहित छात्र-छात्राओ का सराहनीय सहयोग रहा।

शासकीय विधि महाविद्यालय धार में दीक्षा आरंभ कार्यक्रम हुआ

धार। शासकीय विधि महाविद्यालय धार में सोमवार को दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस एस बघेल ने विधि के छात्र-छात्राओं को विधि के महत्व एवं उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान की एवं विधि के समस्त प्राध्यापकों ने विधि विषय से संबंधित जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनभागीदारी अध्यक्ष दीपक बिडकर, विशेष अतिथि मुकेश सिसोदिया, सुनील यादव उपस्थित थे। इस अवसर पर नोडल अधिकारी सुभाष सोनी, भावी नोडल अधिकारी एमएल चौहान, जनभागीदारी प्रभारी प्रकाश विभूते एवं प्राध्यापक डॉ निर्भय सोलंकी सहित छात्र-छात्राए उपस्थित हुए । कार्यक्रम का संचालन विधि महाविद्यालय की प्राध्यापिका हिमांशी सोनी ने किया।

इस्कॉन मंदिर आयोजन..

भगवान जगन्नाथ आज निकलेंगे भक्तों को दर्शन देने..

नर्मदापुरम। आज दोपहर तीन बजे भगवान जगन्नाथ भक्तों को दर्शन देने रथारुढ़ होकर बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे.. रथारुढ़ भगवान के विग्रह बरमान घाट नरसिंहपुर से नर्मदापुरम इस्कान मंदिर में विशेष रूप से लाएं गये। भगवान के विग्रहों को पहले मंदिर में स्थापित किया गया, आईटीआई स्थित श्रीराम मंदिर से आज प्रारंभ होने वाली रथयात्रा हरियाली चौक होकर मीनाक्षी चौक, मीनाक्षी चौक से नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदा महाविद्यालय से सतरास्ता, सतरास्ता से इंदिरा चौक, इंदिरा चौक से पानी की टंकी और पानी की टंकी से पीपल चौक तक सफर तय करेगी। इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित इस भव्य रथयात्रा महोत्सव में भक्त पूरे रास्ते भगवान का रथ रस्सा खींच कर पूरी करेंगे, यात्रा के दौरान पूरे समय कृष्ण भक्त और वैष्णव जन हरिनाम संकीर्तन करते हुए रथयात्रा का आनंद दुगुना कर देंगे, भक्त भक्ति-भाव से रथ का रस्सा खींच कर भक्त आध्यात्मिक प्रगति कर सकेंगे।

तालाब बनी सड़कें तो कहीं घरों में भराया बारिश का पानी

- वार्ड क्रमांक 7 में एक घर में घुसा सूअर कई घंटे तक लोग परेशान, नगर पालिका का पूरा सिस्टम हुआ फेल

आमला। बीते कुछ दिनों से शहर में रुक-रुक कर हो रही मानसून की बारिश ने नगर पालिका की वर्षापूर्व पूर्व की सभी तैयारियां को ध्वस्त कर दिया है, मानसून के शुरुआती दिनों में ही जिस तरह से शहर में हालात बन रहे हैं,उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगर पालिका हर साल बारिश में शहर के लोगों को उनके हालात पर जद्दोजहद करने के लिए छोड़ देती है, मानसून की हल्की बारिश में ही शहर के कई इलाके जलमग्न होने लगे हैं, लोगों के घरों में पानी घुस रहा है किंतु कोई सुनने वाला नहीं है, यें हालात सिर्फ निचले इलाकों के ही नहीं है,बल्कि शहर के मुख्य बाजारों स्कूलों कई शासकीय दफ्तरों में भी वर्षा का पानी जमा होने लगा है, और इसका मुख्य कारण है कि शहर की सभी मुख्य नालियां खासकर में रोड इलाके की नालियों से पानी की निकासी नहीं होने से बारिश के दौरान हालत बिगड़ रहे हैं, नालियों से पानी की निकासी नहीं होने से शहर की सभी मुख्य सड़के नदी और तालाब नुमा हो जाती है जिससे आवागमन में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है खासकर स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राएं और बऔर बच्चों को खासी परेशानियां हो रही है वही बारिश के दौरान नदी तालाब बन रही शहर की मुख्य सड़कों पर हादसों का भी अंदेशा बढ़ने लगा है, लोगों का कहना है कि हर साल बारिश में नगर पालिका की लापरवाही का खामियाजा लोगों को उठाना पड़ता है।

कहां-कहां हो रही ज्यादा दिक्कतें: यूं तो शहर के लगभग सभी इलाके बारिश के दौरान

खाते प्रभावित रहते हैं फिर भी सबसे भी सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके जहां दुर्घटनाओं के भी अंदेशे से बढ़ गए हैं,उनमें पुराना थाना के पास,यूनियन बैंक के पास,राम मंदिर के आसपास बंसकार मोहल्ला, मेंन रोड, पीर मंजिल,कन्या स्कूल, वन विभाग, बिजली ऑफिस क्षेत्र, डाकघर के आसपास,शनिवार बाजार, बस स्टैंड,मंगल भवन यें ऐसे इलाके हैं जहां नगर पालिका की लापरवाही से वर्षा काल में लोग खासे परेशान रहते हैं साथ ही यहां दुर्घटनाओं के अंदेशे भी बने रहते हैं।

सुवर घर में घुसा कई घंटे बाद भी नहीं पहुंचे नगर पालिकाकर्मी: इधर सोमवार को शहर के वार्ड क्रमांक 7 में यहां हरि देशमुख के घर में एक सूअर घुस गया था जिससे इलाके में अफरैद अफ्रीका माहौल रहा और लोगों को कई घंटे तक मशक्कत करना पड़ा, यहां की पार्षद अलका मानकर ने हमें बताया कि सूचना के बाद भी कई घंटे तक नगर पालिका के कर्मचारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे थे, वार्ड में कई समस्याएं हैं, पूरे वार्ड में बड़ी संख्या में सूअर यहां वहां घूमते हैं, आज यहां एक व्यक्ति के घर में सूअर घुस गया है जिससे मकान मालिक को परेशान होना पड़ा। ना पड़ा।

दवाइयों का छिड़काव भी नहीं हुआ: यहीं बारिश की शुरुआत और नालियों की सफाई नहीं होने से कई जहरीले जीव जंतुओं का भी प्रकोप बढ़ गया है, किंतु नगर पालिका द्वारा वार्डों में कीटनाशक दवाइयां का भी छिड़काव नहीं किया जा रहा है जिससे लोगों में खासी नाराजी देखी जा रही है। इस मौके पर परवेज खान,शाहिद खान, राजा सोनी, मदन साहू, आलोक मित्र, विकास गार्गे, कृष्णा वर्मा, गुड्डू सूर्यवंशी, भानु मालवी सहित कई लोगों ने नगर पालिका के रवैये और लापरवाही पर रोष जताया हैं।या हैं।

इनका कहना है

इलाके में व्यवस्था बनी रहे इसके लिए हर संभव प्रयास किया जा रहे हैं, कर्मचारियों को भी निर्देश दिए गए हैं की शिकायत पर फौरन कार्रवाई करें।रें।

वीरेंद्र तिवारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी आमला

छोटा महावीर तीर्थ में हो रहा भव्य मंदिर का निर्माण

भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा की जाएगी स्थापित

धार। यहां से 22 किलोमीटर दूर कागदीपुरा ग्राम में जो छोटा महावीर जी तीर्थ के नाम से जाना जाता है वहां पर नवनिर्मित मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। मंदिर का बाहरी हिस्सा व चौथा हिस्सा बनकर तैयार हो गया है। शेष निर्माण कार्य भी जल्द पूर्ण हो जाएगा। मंदिर का निर्माण पत्थरों से किया जा रहा है।

मानतुंगगिरी तीर्थ के मीडिया प्रभारी सुभाष जैन सपरिवार तीर्थ पर दर्शन करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मंदिर का अवलोकन किया। श्री जैन ने कहा कि जिस तरह से नक्काशी कार्य किया गया है वह वास्तव में देखने लायक है। उल्लेखनीय है यहां पर भूगर्भ से भगवान महावीर स्वामी की विशाल भव्य मूर्ति प्राप्त हुई थी जब से अभी तक एक छोटा मंदिर में यह स्थापित कर दी गई थी। अब यह प्रतिमा नवनिर्मित मंदिर में अन्य प्रतिमाओं के साथ स्थापित की जाएगी।

समिति के प्रमुख विनय छाबड़ा ने बताया कि यह पूर्ण मंदिर 75 बॉय 60 की साइज में निर्मित हो रहा है। मंदिर के विशाल हॉल जहां प्रतिमा स्थापित की जाएगी वह 60 बॉय 40 का होगा। वहीं प्रक्षाल सामग्री, गृह पूजन सामग्री, स्नान गृह आदि का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण करने की प्रेरणा पूर्व में आचार्य प्रणाम सागर जी से मिली थी। उन्होंने बताया कि पंचकल्याणक व वेदी प्रतिष्ठा समारोह के साथ होगी। मूर्ति प्रतिष्ठा 2025 के प्रारंभ में होने की पूर्ण संभावना है। यहां सैकड़ों भक्त गण प्रतिदिन दर्शन के लिए पहुंचते है।

अवैध हथियार से लोगों को डराने धमकाने वाले को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती ऐश्वर्या जैन के न्यायालय द्वारा तलवार लहराते हुये लोगों को डराने धमकाने वाले आरोपी राजेन्द्र पिता श्रीराम लोधी आयु 30 वर्षए निवासी ग्राम बम्हनी थाना सुआतला जिला नरसिंहपुर को धारा 25 आर्म्स एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुये दो वर्ष का सश्रम कारावास एवं 100 रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया। जिला मीडिया सेल प्रभारी द्वारा बताया गया कि सहायक उपनिरीक्षक कोमल सिंह युवने को दिनांक 20/09/2022 को जरिये मोबाईल के सूचना मिली की राजेन्द्र पिता श्रीराम लोधी उम्र 30 साल निवासी बम्हनी का अपने हाथ में तलवार लेकर स्कूल के सामने रोड में गुण्डा गर्दी कर लोगों को डरा धमका कर तलवार चमका रहा है। सूचना दर्ज कर सूचना तस्दीकी ग्राम बम्हनी के सामने रोड पर सूचना तस्दीक किया जो शासण्माध्यण्शाला बम्हनी के सामने रोड मे राजेन्द्र अपने दांहिने हाथ में एक लोहे का तलवारनुमा धारदार हथियार लिये लोगों को चमका रहा था। डरा धमका कर गुण्डा गर्दी कर रहा था रोड पर लोगों की काफी भीड़ लग गई थी। रोड जाम हो गया था। लोग काफी डरे हुये थे जो मौके पर हमराह स्टाफ एवं गवाहान मुन्नालाल पिता हरिराम ठाकुर 56 साल तथा प्रकाश पिता मानकलाल वंशकार 32 साल निवासी ग्राम बम्हनी एवं स्थानीय लोगो की मदद से घेराबन्दी कर हिकमत अमली से राजेन्द्र पिता श्रीराम लोधी 30 साल निवासी बम्हनी पकड़ा तथा अपने कब्जे में अवैध रूप से तलवारनुमा हथियार रखने का लायसेन्स पूछा जो नहीं होना बताया उक्त तलवार अवैध होने से मौके पर समक्ष गवाहान मुन्नालाल पिता हरिराम ठाकुर उम्र 56 साल तथा प्रकाश पिता मानकलाल वंशकार 32 साल निवासी बम्हनी के समक्ष विधिवत् जप्ती पत्रक के जप्त कर वजह सबूत में कब्जा पुलिस में लिया एवं बैठकर लिखा पढ़ी किया।

समेरिटन्स की चारु चिचाम ने रूस में लहराया परचम

- चिल्ड्रन एशियन गेम्स में जीता कांस्य पदक, आज लौटेंगी

नर्मदापुरम। रूस के याकूतस्क शहर में आयोजित 8वीं चिल्ड्रंस ऑफ एशिया कुराश खेल में समेरिटन्स स्कूल की छात्रा चारु चिचाम ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। चारु मंगलवार को रूस से वापस आ रही है। ज्ञात रहे कि चिल्ड्रन ऑफ़ एशिया गेम में 40 खेलों की प्रतियोगिताएं हुई। इसमें चारु ने कुराश खेल प्रतियोगिता में पदक अर्जित किया। चारु की कोच वैशाली तिवारी ने बताया कि स्पर्धा में सभी एशियाई देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। चारु ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक अर्जित किया। इस प्रतियोगिता में 15 वर्ष के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। चारु इसके पहले कई नेशनल पदक हासिल कर चुकी है। चारु का अगला लक्ष्य ओलंपिक में जाने का है। चारु की इस उपलब्धि पर भारतीय कुराश महासंघ के अध्यक्ष रवि कपूर, मध्य प्रदेश कुराश सचिव राहुल व्यास, समेरिटन्स विद्यालय के संचालक डॉक्टर आशुतोष कुमार शर्मा, प्राचार्य प्रेरणा रावत, सचिन खंपारिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

एनसीसी करेगी सम्मान

ज्ञात रहे कि चारु 5वी एमपी बटालियन की केडेट् भी है। उसकी उपलब्धि पर बटालियन द्वारा भी उसका सम्मान किया जाएगा। यह जानकारी प्रभारी अधिकारी प्रदीप यादव ने दी। उन्होंने बताया कि उसकी उपलब्धि पर बटालियन के अधिकारियों में हर्ष का वातावरण है।

ग्राम पंचायत कर्मियों ने रैली निकालकर मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

कामगारों को न्यूनतम वेतन नहीं देना सबसे बड़ा अपराध

नरसिंहपुर। ग्राम पंचायत में काम करने वाले कर्मचारियों ने जनपद मैदान में धरना देकर रैली निकाली और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन देकर न्यूनतम वेतन दिए जाने की मांग की। ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष दयाचंद वर्मा की अध्यक्षता में धरना दिया गया जिसमें सतना से प्रदेश अध्यक्ष जयभान सिंह रावत भी उपस्थित रहे। धरने में मुख्य अतिथि के रूप में आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा उपस्थित रहे। धरने के बाद रैली निकाली गई और कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ग्यापन दिया और

न्यूनतम वेतन दिए जाने के संघर्ष को जारी रखने का निर्णय लिया। प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा ने मैं भी चौकीदार का नारा लगाकर वोट मांगने वाली सरकार में चौकीदार भुखमरी की कगार पर हैं, जिन्हें न तो जिंदा रहने लायक वेतन मिलता है और न ही चौकीदार की नौकरी में सुरक्षा है। ग्राम पंचायतों में इनसे 2 से 3 हजार में काम कराया जा रहा है, जो अपराध है, सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन तय किया जाता है, वर्तमान में 11800 न्यूनतम वेतन है, जो हर काम करने वाले कामगार कर्मचारी को मिलना चाहिए, यह दिलाना सरकार और अधिकारियों की जिम्मेदारी है लेकिन मप्र में खुद सरकार अपने ही कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन नहीं दे रही, नरसिंहपुर में ग्राम पंचायतों में कार्यरत चौकीदार, पंप आपरेटर, भृत्य, कंप्यूटर आपरेटरों, सफाई कर्मियों से 2 से 3 हजार रूपए में काम करा रही है, जो अपराध है और यह अपराध खुद सरकार, अधिकारी मिलकर कर रहे हैं।

गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर 15 दिवसीय संगीत कार्यशाला शासकीय संगीत महाविद्यालय धार द्वारा आयोजित की जा रही है

धार। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् भोपाल के सौजन्य से गुरु पूर्णिमा पर्व के अवसर पर 15 दिवससीय संगीत कार्यशाला शासकीय संगीत महाविद्यालय धार द्वारा आयोजित की जा रही है।

संस्कृति संचालनालय द्वारा प्रतिवर्ष गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में संगीत सभाएं एवं ललित कला महाविद्यालयों में व्याख्यान एवं डेमोंस्ट्रेशन आयोजित किया जाता रहा है। इस

वर्ष सभी महाविद्यालयों में कला के विभिन्न आयामों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विभिन्न कला अनुशासनों, व्यावहारिक शिक्षा के लिए प्रख्यात/स्थापित गुरुओं से परिष्करण का कार्य किया जा रहा है, जिससे यह सामाजिक आवश्यकता एवं धनार्जन और स्वतंत्र कलाकार की प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सहायक हो सके । इस उद्देश्य से इस वर्ष 8 से 21 जुलाई तक 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

इन कार्यशालाओं में सुविख्यात तबला वादक पण्डित विलास खरगोनकर, इंदौर, सुविख्यात शास्त्रीय गायिका स्नेहा पण्डित, रतलाम और सुविख्यात शास्त्रीय गायक दीपक खलतकर,धार द्वारा गायन और तबला विधा पर परिष्करण का कार्य किया जाएगा। कार्यशाला दोपहर 2 बजे से सायं 6 बजे तक , शासकीय ललित कला महाविद्यालय, घोड़ा चौपाटी धार में रहेगी।

भोपाल में 149 सिटी बसों पर 5 दिन से 'ब्रेक'

टिकट कलेक्शन पर विवाद, एजेंसी ने काम बंद किया; आज मीटिंग होगी

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल के 10 रूट पर दौड़ने वाली कुल 149 सिटी बसों पर पिछले 5 दिन से ब्रेक लगा हुआ है। टिकट कलेक्शन विवाद के चलते इन बसों के पहिए थमे हुए हैं। जिससे करीब 40 हजार यात्री रोज परेशान हो रहे हैं। अब इस मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों ने मोर्चा संभाला है। मंगलवार को (भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड) अफसर, एजेंसी और जनप्रतिनिधियों की मीटिंग होगी।

दरअसल, शहर के 6 रूट पर चलने वाली 149 लो फ्लोर बसें गुरुवार से ही बंद है। यानी, सोमवार को इन्हें बंद हुए 5 दिन हो गए। इसकी वजह इन बसों में टिकिट कलेक्शन करने वाली एजेंसी चलो एप की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग है, लेकिन बीते 5 दिन से बीसीएलएल और निगम के जिम्मेदार इस समस्या का समाधान नहीं निकाल पाए। ऐसे में इन बसों में रोजाना सफर करने वाले 40 हजार से ज्यादा यात्री परेशानियों का सामना कर रहे हैं। मामला इसलिए भी उलझता जान पड़ रहा है, क्योंकि बीसीएलएल की ओर से नई टिकिट कलेक्शन एजेंसी हायर करने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। ऐसे में अनुमान है कि बीसीएलएल टेंडर की शर्तों का हवाला देकर चलो एप कंपनी से काम छीनने की तैयारी में है। क्योंकि चलो एप को 2022 से 2028 तक के लिए काम दिया गया था। ऐसे में दोबारा टेंडर जारी करना इस ओर इशारा करता है।

निगम अध्यक्ष बोले- कड़ी कार्रवाई करेंगे- इस मामले में नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बताया कि अचानक बसें बंद करना गलत है। यात्रियों को भी परेशानी हो रही है। इसे लेकर मंगलवार को मीटिंग करेंगे। यदि मामले में बीसीएलएल अधिकारी भी दोषी पाए जाते हैं या फिर उनकी लापरवाही सामने आती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी बंद रही थी बसें

पहले 14 जून को भी छह रूट की 149 बसों के पहिए थम गए थे। हफ्तेभर बसों का संचालन बंद रहा। तब बस ऑपरेटर की ओर से ड्राइवर और कंडक्टरों के खाते में पीएफ और ईएसआईसी का पैसा जमा नहीं करने के कारण ऐसा हुआ था।

मूंग उपार्जन नीति के विरोध में धरने पर बैठे किसान

- **बोले, सरकार 8 के बजाय 16 क्विंटल प्रति हेक्टेयर खरीदे मूंग**

नर्मदापुरम (नप्र)। मूंग उपार्जन 2024 की नीति में हुए बदलाव के विरोध में सोमवार को नर्मदापुरम में भारतीय किसान संघ का धरना शुरू हुआ। पीपल चौक पर 12 बजे से अनिश्चितकालीन धरने में संगठन के जिला पदाधिकारी और किसान शामिल हुए है। उपार्जन नीति में मूंग खरीदी 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर सरकार ने नियम बनाया है।

जिससे किसानों की आधी फसल ही बिक पाएगी। इससे किसानों को नुकसान होगा। सरकार के इस नियम को लेकर प्रदेश के कई जिलों में किसान संगठन ज्ञापन और धरना प्रदर्शन कर रहा है।मूंग खरीदी में मात्रा को बढ़ाने की मांग को लेकर भारतीय किसान संघ ने सोमवार को धरना शुरू किया है। जिला अध्यक्ष देवेंद्र पटेल ने बताया सरकार की किसान विरोधी नीति का हमारा संगठन विरोध कर रहा है। सरकार की इस नीति से केवल व्यापारियों को फायदा होगा। किसानों को आधी फसल को कम दामों में मंडियों में बेचना पड़ेगा।

इस दौरान दौरान भाकिसं संभाग संगठन मंत्री दिनेश शर्मा, संभाग अध्यक्ष सर्वज्ञ दीवान, जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पटेल, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सूरजबली जाट, संभाग बिजली प्रभारी ओमप्रकाश उपाध्याय, रजत दुबे समेत अन्य मौजूद रहे।

इन मांगों को लेकर होगा धरना

- पिछले साल की तरह ही प्रति हेक्टेयर 16 क्विंटल खरीदी की गई थी।
- ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी प्लेट कांटों से ही की जाए।
- प्रत्येक किसान के खाते पर एक दिन में 25 क्विंटल खरीदी की लिमिट को बढ़ाकर 40 क्विंटल प्रतिदिन किया जाए। जिससे किसानों को बार-बार खरीदी केंद्रों पर नहीं आना पड़ेगा। ट्रॉली की क्षमता भी 40 क्विंटल होती है।
- प्रत्येक किसान से अधिकतम 100 क्विंटल खरीदी करने की सीमा की गई, जो अव्यवहारिक।

भूल-भूलैया-3 की शूटिंग के लिए ओरछा पहुंची अभिनेत्री विद्या बालन

- **पुराने महलों और अन्य क्षेत्रों में एक हफ्ते से चल रही शूटिंग**

निवाड़ी (नप्र)। फिल्म भूल भूलैया-3 की शूटिंग के लिए निवाड़ी जिले के ओरछा में फिल्मी हस्तियों के आने का सिलसिला जारी है। फिल्म अभिनेता कार्तिक आर्यन और अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के बाद सोमवार को अभिनेत्री विद्या बालन फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में ओरछा पहुंची। बता दें कि फिल्म भूल भूलैया-3 की शूटिंग पर्यटन नगरी ओरछा स्थित पुराने महलों और अन्य क्षेत्रों में चल रही है। फिल्म सेमी हॉरर वर्ग की है, इसलिए ओरछा के पुराने स्मारक फिल्म के लिए उपयुक्त है। फिल्म के अधिकांश हिस्से इन्हीं महलों में शूट किए जाएंगे।

एक हफ्ते से चल रही फिल्म की शूटिंग

सबसे पहले आई भूल भूलैया में विद्या बालन ने निगेटिव किरदार निभाया था। इसके बाद आई फिल्म भूलभूलैया- 2 में विद्या बालन का किरदार दर्शकों को देखने को नहीं मिला। लेकिन भूलभूलैया- 3 में एक बार फिर अभिनेत्री विद्या बालन दिखाई देगी। सोमवार को विद्या बालन फिल्म की शूटिंग के लिए ओरछा पहुंची। जबकि, कार्तिक और तृप्ति पिछले एक हफ्ते से ओरछा में है और फिल्म की शूटिंग कर रहे है। सोमवार को ओरछा पहुंची विद्या ब्लैक कलर के प्रिंटेड हॉफ स्लिव शर्ट में नजर आई। जानकारी के अनुसार वह रामराजा सरकार के दर्शन भी कर सकती है। फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में अब विद्या बालन कुछ दिनों तक ओरछा में ही रहेगी।

पुलिस बल सादी वर्दी में रहें

सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था करें : राज्य मंत्री श्रीमती गौर

- **श्रावण मास में पर्व के अवसर पर गुफा मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिये निर्देश**

भोपाल (नप्र)। श्रावण मास में पर्व के अवसर पर गुफा मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं को लेकर पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने अधिकारियों को कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने गुफा मंदिर महंत श्री रामप्रवेश दास जी से पर्व पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा करने के लिये अधिकारियों से कहा। श्रावण मास में सोमवार के दिन लगने वाले मेले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के लिये भी कहा। असामाजिक तत्वों पर सतत् निगरानी रखने के लिये मेले के अवसर पर पुलिस बल को सादी वर्दी में भी तैनात करें। श्रावण मास में पर्व के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में पेयजल, विद्युत और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि सभी कार्य पर्व शुरू होने के पूर्व 20 जुलाई तक करना सुनिश्चित करें। पेयजल व्यवस्था के संबंध में कहा गया कि ओवरहेड टेंकों की सफाई और नल एवं पाइप लाइनों की रिपेयरिंग आदि कार्यों को समय पर करना सुनिश्चित करें। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि लालघाटी चौराहे से गुफा मंदिरों तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जहां पर केबल लाइन की जरूरत है, वहां केबल लाइन डलवाएं। प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। मंदिर परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कहा कि मंदिर परिसर में गौ-शाला के गो-डाउन से लगे नाले की दीवार का पुनर्निमाण जल्दी करवाएं।

रीवा में फ्लाईओवर से नीचे गिरा युवक

- **कार ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर; एक भाई की मौत, दूसरा घायल**

रीवा (नप्र)। सोमवार सुबह शहर के सिरमौर चौराहा स्थित फ्लाइओवर पर सड़क हादसा हो गया। बाइक और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। कार की टक्कर के बाद युवक ओवरब्रिज से उछलकर नीचे गिर गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। मौके पर पहुंची अमहिया थाना पुलिस ने घायल युवक को अस्पताल भिजवाया है।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइक सवार सगे भाई हैं। करहिया सब्जी मंडी में सब्जी का व्यापार करते हैं। मृतक का नाम अमृतलाल जायसवाल (28) है। घायल का नाम प्रदीप जायसवाल (25) है। दोनों शहर के समान थाना के बेलौहा मोहल्ले में रहते हैं। मूल रूप से नईगढ़ी के रहने वाले हैं। फिलहाल मृतक का पोस्टमॉर्ट्म करवाया जा रहा है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

परिजन मुद्रिका प्रसाद जायसवाल ने बताया कि सड़क दुर्घटना कार चालक की लापरवाही की वजह से हुई है। जो अचानक रॉन्ग साइड से आ गया, जिस वजह से कार और बाइक की टक्कर हो गई। मृतक अमृतलाल जायसवाल का एक 3 साल का बेटा है। जिसकी शादी 4 साल पहले हुई थी।

समय-सीमा में गुणवत्ता से निर्माण कार्यों को पूर्ण करें : श्री शुक्ल

प्रावधानित और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग वित्तीय वर्ष 2024-25 के वित्तीय प्रावधान अनुसार और प्रगतिरत निर्माण कार्यों की कार्य योजना की वृहद् समीक्षा की। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, स्वास्थ्य संस्थानों, नर्सिंग कॉलेज एवं अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के नवीन निर्माण कार्यों के साथ उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न चरणों की भी समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिये कि समस्त गतिविधियों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि औपचारिकताओं की कमी से कार्य में विलंब नहीं होना चाहिए।

3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगति- उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने केंद्र से समन्वय वाले आवश्यक विषयों को रेखांकित करने के लिए कहा ताकि केंद्र स्तर से चर्चा कर उनका शीघ्र निराकरण किया जा सके।

वर्तमान में स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग अन्तर्गत 3 हज़ार 555 निर्माण कार्य प्रावधानित और प्रगतिरत हैं।

इनमें स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा 2 हज़ार 782, म.प्र. भवन विकास निगम द्वारा 72, लोक निर्माण विभाग द्वारा 17, म.प्र. हाउसिंग बोर्ड द्वारा 263, पीआईयू द्वारा 385, म.प्र. पुलिस हाउसिंग द्वारा 34, ब्रिज एंड रूफ द्वारा 2 निर्माण कार्य किये जा रहे हैं।

समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करें- उप-मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में पदों की भर्ती प्रक्रिया की प्रगति समीक्षा की और समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री विवेक कुमार पोरवाल, एम. डी. एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण पिथोड़े, अपर सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री पंकज जैन सहित निर्माण विभाग के प्रतिनिधि और विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेमिका की शादी से एक दिन पहले किया सुसाइड

भोपाल में प्रेमी ने आखिरी मैसेज में लिखा- एक मां से उसका बेटा छीनने के लिए धन्यवाद

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक युवक ने प्रेमिका की शादी से एक दिन पहले सुसाइड कर लिया। उसका शव सोमवार सुबह घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला। उसकी गर्लफ्रेंड की मंगलवार को शादी है। इसी बात को लेकर वह डिप्रेशन में था। युवक ने सुसाइड से पहले गर्लफ्रेंड को मैसेज किया। जिसमें उसने लिखा- एक मां से उसका बेटा छीनने के लिए धन्यवाद। मामला शिवाजी नगर के 5 नंबर स्टाप का है। पुलिस के मुताबिक विक्की नायक (24) ड्राइवर था। सोमवार सुबह 7:30 बजे उसकी मां ने घर के हॉल में उसे गमछे से बने फंदे पर पाइप के सहारे लटका देखा। उन्होंने शोर मचाकर उन्होंने बड़े बेटे गणेश और विशाल को उठाया। तीनों ने शव को फंदे से उतारा और पास में स्थित जेपी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मौत की पुष्टि कर दी।

युवक ने लिखा- मेरी मौत की तुम जिम्मेदार

युवक ने प्रेमिका को लिख आखिरी मैसेज में लिखा कि मेरी मौत की जिम्मेदार सिर्फ तुम हो। मैं तुमसे सच्चा प्यार करता था, तुम मेरे साथ टाइम पास करती रही। हबीबगंज पुलिस ने मृतक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है। इसकी जांच की जाएगी। युवक के दोस्तों ने बताया कि एक दिन पहले ही उससे मिले थे। उसने किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया। दूसरी दिन मौत की खबर मिली तो मॉचुरी में पहुंचे।

भाई ने कहा- धोखा मिलने पर विक्की ने जान दी- मृतक के बड़े भाई विशाल नायक ने बताया कि परिवार में मां, बड़ा भाई और भाभी, विक्की और मैं हम साथ रहते थे। विक्की एक साहब की गाड़ी चलाता था।

7000 एकड़ जंगल काटकर फसल उगाई

खंडवा में वन विभाग ने ट्रैक्टर चलाकर रौंदी; 400 पुलिस जवान के साथ पहुंची टीम

खंडवा (नप्र)। खंडवा में वन विभाग ने जंगल की जमीन पर अवैध कब्जे को हटाने की बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम जंगल की 7 हजार एकड़ जमीन पर उगाई गई सोयाबीन और मक्का की फसल को हटाने की कार्रवाई कर रहा है। ये फसल जंगल पर कब्जा करने वाले माफिया ने उगाई थी। सोमवार सुबह करीब 8 बजे से वन विभाग की टीम नाहरमाल सेक्टर के जंगल पहुंची और वहां अवैध रूप से उगाई गई फसलों पर जेसीबी चलवाई। कार्रवाई के दौरान राजस्व और पुलिस अफसरों के साथ 400 जवानों का फोर्स भी मौके पर तैनात है।

जंगल से कब्जा हटाने में लगेंगे दो से तीन दिन- कब्जा हटा रही टीम को बारिश की वजह से दिक्कत भी आ रही है। जमीन को पूरी तरह कब्जा मुक्त करने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। खेत बन चुके जंगल में जेसीबी मशीनों से खंतियां और गड्ढे खोदे जा रहे हैं। फसल को ट्रैक्टर चलाकर रौंदा जा रहा है।

10 हजार एकड़ जंगल पर है माफिया का कब्जा- खंडवा जिले में करीब 10 हजार एकड़ जंगल पर माफिया का कब्जा है। सबसे ज्यादा अतिक्रमण नाहरमाल में ही है। यहां दो साल पहले 7 हजार एकड़ के जंगल को खेत बना दिया गया। माफिया ने इस साल सोयाबीन और मक्का की फसल लगाई है।

फोर्स देख अतिक्रमणकारी मौके पर नजर नहीं आए- माफिया से सख्ती से निपटने के लिए बड़ी संख्या में फोर्स मौके पर ले जाया गया है। यही वजह है कि कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारी भी सामने नहीं आए। ग्रामीणों ने प्रशासन का सहयोग करते हुए ट्रैक्टर उपलब्ध कराए हैं। डीएफओ राकेश डामोर, एसडीएम बजरंग बहादुर, फॉरेस्ट एसडीओ संदीप वास्कले, तहसीलदार महेश सोलंकी मौके पर मौजूद हैं।

गड्ढों में डालेंगे सीड बॉल, ताकि दोबारा पनप सके जंगल

वन विभाग की टीम ट्रैक्टरों से फसल को नष्ट कर रही है, ताकि आर्थिक रूप से माफिया की कमर तोड़ी जा सके। जेसीबी और पोकलेन मशीनों से खंतियां खोदी जा रही हैं। नालानुमा खंती खोदने का मकसद माफिया को जंगल में प्रवेश से रोकना है। जंगल के अतिक्रमण मुक्त होते ही खंतियों और गड्ढों में सीड बॉल डाले जाएंगे। डीएफओ राकेश डामोर का कहना है कि शासन स्तर पर सीड बॉल और तार फेंसिंग आदि को लेकर प्रस्ताव भेजा गया था। बजट मंजूर हो चुका है।